CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 295 ता. 29 मई 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चीन में भारी बारिश ने मचाई तबाही

15 लोगों की मौत और तीन लापता, यातायात-बिजली सप्लाई बाधित

नई दिल्ली। दक्षिणी चीन में मूसलाधार बारिश के चलते हुए कई हादसों में 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लापता बताए जा रहे हैं। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी खबर में वूपिंग काउंटी के सूचना कार्यालय के हवाले से बताया कि फूजियान प्रांत में भूस्खल से दो इमारतें धराशाही हो गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय प्रसारक सीसीटीवी ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि युन्नान प्रांत में पांच अन्य लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुआंगशी क्षेत्र में शिन्चेंग काउंटी में शुक्रवार को बाढ़ के पानी के साथ तीन बच्चे बह गए, जिनमें से दो की मौत हो गई और एक को बचा लिया गया। चक्रवात से युन्नान प्रांत की क्यूबेई काउंटी में सड़कें, पुल, दूरसंचार व बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए। यह स्थान वियतनाम सीमा से 130 किलोमीटर दूर है। यातायात व्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। लोगों को आने-जानें में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की ओर से मदद मुहैया कराई जा रही है। शिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि फुजियान में एक फैक्टरी के मलबे से पांच शव और एक रिहायशी इमारत के मलबे से तीन शव बरामद किए गए। गुरुवार शाम से वूपिंग काउंटी में बारिश जारी है। ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में सड़कों पर मिट्टी वाला पानी भरा नजर आ रहा है। कई जगहों पर सड़कें आंशिक रूप से बह जाने की खबरें हैं।

बुलंदशहर : हथियार बनाने की अवैध फक्ट्री का पदार्फाश

बुलंदशहर। जिले में नसेर्ना थाना पुलिस ने आम के बाग में हथियार बनाने की एक अवैध फैक्ट्री का पदार्फाश कर भारी मात्रा में नर्मिति एवं अर्धनर्मिति हथियार, शस्त्र बनाने के औजार और कच्चा माल बरामद कर दो शातिर बदमाशों को पकड़ा है। वरष्ठि पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन पाताल अभियान के तहत नसेर्ना थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर बीती रात चैकिंग अभियान में जुटे थे। तभी उन्हें सूचना मिली की कि ग्राम बसी बांगर में आम के बाग में हथियार बनाने का कारखाना चल रहा है। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने छापा मारकर ग्राम भैलिया थाना नसेर्ना निवासी इकराम उर्फ इकरामुद्दीन और मोनिस, निवासी ग्राम बंसी नगर थाना नसेर्ना को हथियार बनाते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

अधिवेशन में बोले जमीयत प्रमुख मदनी- आग से आग नहीं बुझाई जाती, नफरत को प्यार से हराएं

देवबंद। ईदगाह मैदान में जमीयत उलमा-ए-हिंद के तत्वाधान में दो दिवसीय कार्यक्रम सुबह 9 बजे से शुरू हो गया। इसमें देशभर के उलेमा और गवर्निंग बॉडी के सदस्य प्रमुख समस्याओं को लेकर मंथन कर रहे हैं। यहां अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मौलाना महमूद मदनी ने कहा कि आग से आग को नहीं बुझाया जा सकता है। प्यार से नफरत को हराया जा सकता है। इजलास का शुभारंभ जमीयत उलमा-ए-हिंद का झंडा लहरा कर किया गया है। तिलावत-ए-कुरान पाक दारूल उलूम के उस्ताद कारी अब्दुल रउफ ने की और नात-पाक कारी अहसान मोहसिन ने पेश की। जमीयत प्रमुख मौलाना महमूद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दारुल उलूम के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम, जमीयत उलमा हिंद पश्चिम बंगाल अध्यक्ष और ममता सरकार में मंत्री मौलाना सिद्दीकउल्ला चौधरी, सांसद मौलाना बदरूद्दीन अजमल और सभी प्रदेशों के अध्यक्षों सहित देशभर के उलमा शामिल हो रहे हैं। इजलास में देश के मौजूदा हालात और ज्ञानवापी मस्जिद समेत देश में विभिन्न धार्मिक स्थलों को लेकर बढ़ रहे विवाद, कॉमन सिविल कोड, मुस्लिम वक्फ एवं मुस्लिमों की शिक्षा आदि मुद्दों पर चर्चा होगी। वहीं, जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। मौलाना महमूद मदनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में दारुल उलूम देवबंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती अबुल कासिम ने कहा कि देश एक गुलदस्ते की मानिंद हैं, जिसमें हर धर्म और वर्ग के लोग प्यार-मोहब्बत के साथ रहते हैं। यही एकता और भाईचारा इस मुल्क को हिंदुस्तान बनाता है।

आंध्र प्रदेश: गैस सिलेंडर फटने से घर की दीवार गिरी

दबने से चार लोगों की मौत, दो घायल

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में गैस सिलेंडर फटने से एक घर की दीवार गिर गई, जिसकी चपेट में आकर चार लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। सिलेंडर मुलकालेदु गांव में एक पड़ोसी के घर में फटा। पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिनों पहले आगरा के इरादतनगर इलाके में स्थित गैस एजेंसी में सिलेंडर फटने से एक ह्यहॉकरह्न (एजेंसी से सिलेंडर को घरों में वितरित करने वाला) की मौत हो गई। थाना इरादतनगर

पुलिस निरीक्षक अवधेश गौतम ने बताया कि मृतक के शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। घटना इरादतनगर के रहलई गांव स्थित मिथलेश इंडेन गैस एजेंसी के गोदाम में दोपहर एक बजे हुई। हादसा गैस एजेंसी में मौजूद रसोई में चाय बनाते समय हुआ। हादसा इतना भयंकर था कि हॉकर के शरीर के चीथड़े उड़ गए।

जम्मू के डोडा आ रही बस उधमपुर में पलटी हादसे में 25 यात्री घायल

जम्मू। डोडा जिले से आ रही बस के उधमपुर के बट्टल बलियां इलाके में पलटने से 25 यात्री घायल हो गए। कुछ घायलों को उधमपुर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया और 6 घायलों को जम्मू के एक सरकारी अस्पताल में रेफर किया गया है। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह सड़क हादसा किस वजह से हुआ, इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल पाई है। पुलिस टीम दुर्घटना की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि संभवतः ड्राइवर का नींद की वजह से बस पर नियंत्रण नहीं रहा होगा, जिसकी वजह से यह हादसा हुआ। हालांकि, दूसरे पहलुओं पर भी नजर रखी जा रही है। घायलों के बेहतर इलाज देने का प्रयास है।

भाजपा कार्यकर्ताओं का थाने आना मना है पोस्टर मामले में कार्रवाई तेज, 6 गिरफ्तार

मेरठ। यूपी के मेरठ जिले के थाने में बवाल करने और आपत्तिजनक पोस्टर लगाने के मामले में पुलिस कार्रवाई तेज कर दी है। हंगामा करने के बाद विवादित बैनर लगाने के मामले में पुलिस ने 6 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों को चिन्हित किया जा रहा है, जिनमें से कई के नाम की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के प्रयास भी शुरू कर दिए हैं। पुलिस ने इस बात की जानकारी ट्विटर के माध्यम से दी है। बताया जाता है कि रात में मुकदमा दर्ज होने से पहले ही सभी आरोपी घरों से फरार हो गए। पुलिस की दबिश में वह हाथ नहीं है। रात भर पुलिस का एक्शन चला, जिसके बाद करीब तीन बजे सुभारती के पास एक होटल से छह युवक गिरफ्तार कर लिए गए। फिलहाल सभी को टीपी नगर थाने में रखा गया है। सभी का आपराधिक इतिहास जुटाया जा रहा है। जिन लोगों के नाम प्रकाश में

आए हैं, उन लोगों का भी आपराधिक इतिहास होने की जानकारी मिल रही है। एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने इसकी पुष्टि कर दी है। दरअसल, मेडिकल पुलिस थाने में लगे एक कथित बैनर की तस्वीर शुक्रवार को वायरल हुई जिसमें लिखा था कि भाजपा कार्यकताओं का थाने आना मना है। थाने की दीवार में लगे बैनर की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामले ने उस समय तूल पकड़ा जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उक्त तस्वीर ट्वीट करते हुए लिखा, "ऐसा पहली बार हुआ है इन पांच-छह सालों में। सत्तापक्ष के लोगों का आना मना हुआ थानों में। ये है उप्र की भाजपा सरकार का बुलंद इकबाल।"

मातृभूमि की सेवा में नहीं छोड़ी कसर

इन 8 सालों में नहीं झुकने दिया सिर: गुजरात में बोले मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजकोट के एटकोट में नवनिर्मित मातुश्री के.डी.पी. मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे। पीएम मोदी ने कहा, ₹मुझे खुशी है कि आज यहां मातुश्री ङऊढ मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल का शुभारंभ हुआ। ये अस्पताल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाएगा। जब सरकार के प्रयास में जनता का प्रयास जुड़ जाता है तो सेवा करने की हमारी शक्ति भी बढ़ जाती है, राजकोट में बना ये अस्पताल इसका बड़ा उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ₹आज जब गुजरात की धरती पर आया हूं तो मैं सिर झुकाकर गुजरात के सभी नागरिकों का आदर करना चाहता हूं। आपने मुझे जो संस्कार और शिक्षा दी, समाज के लिए जीने की बातें सिखाई, उसकी की बदौलत मैंने मातृभूमि की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इस मंत्र पर चल कर हमने देश के विकास को एक नई गति दी है। इन 8 सालों में हमने पूज्य बापू और सरदार पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए ईमानदार प्रयास किए हैं। मोदी ने कहा, ₹गरीबों की सरकार होती है तो कैसे उसकी सेवा करती है, उन्हें सशक्त करने के लिए काम करती है, ये आज पूरा देश देख रहा है।100 साल के सबसे बड़े संकट काल में भी देश ने ये लगातार अनुभव किया है। महामारी शुरू हुई तो गरीब के सामने खाने-पीने की समस्या हुई, तो हमने देश के अन्न भंडार खोल दिए। हमारी माताएं-बहनें सम्मान से जी सके इसके लिए हमने उनके जन धन बैंक खाते में सीधे पैसे जमा किए। किसानों और मजदूरों के बैंक खाते में पैसे जमा किए। हमने मुफ्त गैस सिलेंडरों की भी व्यवस्था की ताकि गरीब के घर की रसोई हमेशा चलती रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार राष्ट्रीय सेवा के 8 साल पूरे कर रही है। इन वर्षों में हमने गरीब की सेवा, सुशासन और गरीब के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र पर चलते हुए हमने देश के विकास को नई गति दी है। हमारी सरकार सुविधाओं को शत प्रतिशत नागरिकों तक पहुंचाने के लिए अभियान चला रही है। जब हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य होता है तो भेदभाव भी खत्म होता है, भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं होती। पीएम मोदी ने कहा, ₹जब हर नागरिक तक सुविधाएं पहुंचाने का लक्ष्य होता है तो भेदभाव भी खत्म होता है, भ्रष्टाचार की गुंजाइश भी नहीं रहती, ना भाई-भतीजावाद रहता है ना जात-पात का भेद रहता है। इसलिए हमारी सरकार मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं को नागरिकों तक पहुंचाने में जी जान से जुटी हुई है।

पंजाब: भगवंत मान ने 424 वीआईपी लोगों की सुरक्षा ली वापस, इसमें नेता से लेकर धर्मगुरु तक शामिल

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य में 424 लोगों को दी गई सुरक्षा वापस ले ली है। जिन लोगों की सुरक्षा हटाई गई है उनमें कई सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी, धर्मगुरु और राजनीतिक हस्तियां शामिल हैं। इससे पहले अप्रैल में पंजाब सरकार ने पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों और अन्य नेताओं सहित 184 लोगों की सुरक्षा वापस लेने का आदेश दिया था। गौरतलब है कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कैप्टन अमरिंदर सिंह के बेटे रनिंदर सिंह और कांग्रेस विधायक प्रताप सिंह बाजवारे की पत्नी के परिवार की सुरक्षा पिछले महीने वापस ले ली गई है। सुरक्षा को वापस लिए जाने का एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि पंजाब पुलिस पहले से ही कर्मचारियों की कमी से जूझ रही है। पंजाब में सुरक्षा और पुख्ता करने के लिए लगभग 2,000 अतिरिक्त अर्धसैनिक बल के जवानों को तैनात किया जाएगा, क्योंकि नियमित तौर पर ऐसी जानकारी मिल रही है कि कुछ तत्व राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा पर आने वाले हर तीर्थयात्री को लेना होगा आरएफआईडी टैग

नई दिल्ली। अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने शनिवार को ऐलान किया है कि बिना आरएफआईडी टैग के किसी यात्री को अमरनाथ यात्रा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के सीईओ नीतीशवार कुमार ने कहा- श्राइन बोर्ड ने इस साल आरएफआईडी टैग की प्रणाली शुरू की है। इस टैग के साथ हम हर तीर्थयात्री की पोजिशन ट्रेक कर सकेंगे कि वो कहां हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापारी भी आरएफआईडी टैग ले रहे हैं। बिना आरएफआईडी टैग के किसी को यात्रा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। ये टैग गौरतलब है

कि शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने इस साल अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा चाक चौबंद करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्हें तीर्थयात्रा को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए सभी एजेंसियों को आपस में बेहतर कॉर्डिनेशन रखने को कहा। पुलिस मुख्यालय में अमरनाथ यात्रा को लेकर पुलिस, सेना और केंद्रीय सशस्त्र अर्धसैनिक बलों (सीआरपीएफ) के अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में यात्री शिविर में सुरक्षा, संचार नेटवर्क, राष्ट्रीय राजमार्ग और दूसरी सड़कों पर यातायात प्रबंधन के नियमन, गाड़ियों की पार्किंग और पहलगाम और बालटाल के दोनों रास्तों पर सुरक्षाबलों की तैनाती आदि पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में ये भी तय किया गया कि पुलिस अलग-अलग जगहों पर रेस्क्यू टीम को तैनात करेगी ताकि यात्रा के दौरान किसी भी तीर्थ यात्री की जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद की जा सके।

सेना में भर्ती के बदलेंगे नियम, पहले केवल चार साल सेवा करने का मिलेगा मौका, फिर प्रदर्शन के आधार पर होगा चयन

नई दिल्ली। देश में अब सेना की भर्ती के लिए भारत सरकार नई प्रक्रिया लाने जा रही है। इस प्रक्रिया का नाम है 'टूर ऑफ ड्यूटी' जिसके तहत युवाओं को 4 साल के लिए सेना में भर्ती किया जाएगा। फिर सभी को सेवा से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके बाद एक और प्रक्रिया अपनाई जाएगी। टूर ऑफ ड्यूटी/अग्निपथ योजना के तहत तीन सेवाओं - थल सेना, नौसेना और वायु सेना में भर्ती की नई प्रणाली में कुछ आमूल-चूल परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। जिसके तहत भर्ती किए गए सैनिकों में से 100 प्रतिशत चार साल बाद सेवा से मुक्त किए जाएंगे और फिर 25 प्रतिशत को पूर्ण सेवा के लिए पुनः सूचीबद्ध किया गया। इंडियन एक्सप्रेस की

रिपोर्ट के मुताबिक टूर ऑफ ड्यूटी के अंतिम प्रारूप पर बहुत चर्चा हुई है और कुछ नए सुझाव प्रस्तावित किए गए हैं और उन्हें स्वीकार किए जाने की संभावना है। नई भर्ती योजना की घोषणा अब किसी भी दिन होने की उम्मीद है। बता दें कि इससे पहले जो प्रस्ताव लाया गया था उसके तहत तीन साल की सेवा के बाद कुछ प्रतिशत सैनिकों को ही सेवा मुक्त करने की बात थी। इसके अलावा पांच साल बाद बचे सैनिकों को सेवा से मुक्त करने की बात कही गई थी। इसके बाद फिर 25 फीसदी सैनिकों की पूर्ण अवधि के लिए वापसी की बात कही गई थी। अब चार साल की संविदा सेवा समाप्त होने के बाद 100 फीसदी सैनिकों को सेवा मुक्त किया जाएगा। फिर इसके 30 दिनों की अवधि के बाद उनमें से 25 फीसदी को वापस बुला लिया जाएगा और शामिल होने की एक नई तारीख के साथ सैनिकों के रूप में फिर से भर्ती किया जाएगा। बता दें कि सेना में भर्ती में देरी को लेकर युवाओं में काफी चिंता और निराशा है। युवाओं को डर है कि भर्ती की घोषणा होने तक उनकी आयु-सीमा समाप्त हो सकती है। हालांकि, अब यह उम्मीद की जा रही है कि सरकार जल्द ही सेना में बड़े स्तर की भर्ती की घोषणा कर सकती है। सरकार जल्द ही सेना भर्ती के लिए टूर ऑफ ड्यूटी योजना की घोषणा कर सकती है।

सार समाचार

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल बारामूला मुठभेड़ में शहीद पुलिसकर्मी के परिवार से मिले

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बारामूला जिले में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए पुलिसकर्मी मुदस्सिर शेख के आवास का शनिवार को दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिन्हा के साथ पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। उपराज्यपाल ने उत्तरी कश्मीर जिले के उरी में शेख के परिजनों से मुलाकात की। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने शहीद हुए पुलिसकर्मी के परिवार के सदस्यों के साथ बातचीत की और संवेदना व्यक्त की। बारामूला के क्रीरी इलाके में 25 मई को नजीभात चौराहे पर हुई मुठभेड़ में शेख शहीद हो गए थे। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के तीन पाकिस्तानी आतंकवादी भी मारे गए थे।

कोर्ट ने 6 माह पहले कब्र में दफन लाश को निकालकर परिवार को सौंपने को कहा, हैदरपुरा मुठभेड़ में ढेर हुआ था आतंकी

श्रीनगर । श्रीनगर के हैदरपोरा में एक मुठभेड़ में ढेर चार संदिग्ध आतंकवादियों में से एक, अमीर मागरे के शव को कब्र से निकालने का आदेश जम्मू-कश्मीर हाईकोर्ट ने प्रदेश के प्रशासन को दिया है। जम्मू कश्मीर उच्च न्यायालय ने प्रशासन की कार्रवाई को समानता के अधिकार का उल्लंघन बताते हुए शुक्रवार को एक नागरिक का शव कब्र से निकालने तथा अंतिम संस्कार के लिए उसके परिवार को सौंपने का आदेश दिया। पुलिस ने पिछले साल नवंबर में हैदरपुरा मुठभेड़ के दौरान इस शख्स को आतंकवादी बताया था तथा एक मुठभेड़ में उसे मार गिराया था। न्यायमूर्ति संजीव कुमार ने 13 पृष्ठों के अपने आदेश में कहा कि अगर शव ह्यपूरी तरह सड़ गया हैह्न और इसे कब्र से निकालने से जनता को खतरा पहुंचता है तो प्रशासन परिवार को अपनी परंपराओं के अनुसार गरिमापूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार करने से वंचित रखने के लिए मुआवजे के तौर पर परिवार को पांच लाख रुपये देगा। आदेश में कहा गया है, ह्यप्रतिवादियों (जम्मू कश्मीर प्रशासन) का याचिकाकर्ता को अपने बेटे का शव अंतिम संस्कार के लिए उसके पैतृक गांव ले जाने की अनुमति न देना मनमाना और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता के अधिकार) का उल्लंघन है। आमिर लतीफ माग्रे उन चार लोगों में से एक था जो 15 नवंबर 2021 को श्रीनगर के बाहरी इलाके में हैदरपुरा में मारे गए थे। पुलिस ने दावा किया था कि ये सभी आतंकवादी थे और उनका शव उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में दफना दिया था।

भारत सहित 11 अन्य देशों को जेट सहित घातक रक्षा उपकरण निर्यात करेगा जापान

नई दिल्ली । जापान की राजधानी टोक्यो में क्वाड लीडर्स समिट के दौरान एक बैठक के दौरान रक्षा निर्माण सहित द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर आपसी सहमति जताई थी। जापान ने भारत और 11 अन्य देशों को मिसाइल और जेट सहित घातक सैन्य उपकरणों के निर्यात की अनुमति देने की योजना बनाई है। यह एक ऐसा कदम जो नई दिल्ली और टोक्यो द्वारा रक्षा निर्माण में सहयोग करने की कोशिश को बढ़ावा दे सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत, ऑस्ट्रेलिया और कुछ यूरोपीय एवं दक्षिण पूर्व एशियाई देशों को निर्यात की अनुमति देने के लिए अगले साल मार्च तक नियमों में ढील दी जाएगी। दरअसल, जापान ने रक्षा उपकरणों के हस्तांतरण के लिए एक सिद्धांत बनाया और फिर नियमों में ढील दी जिसने 2014 में देश के हथियार निर्यात करने पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, यह नियम अब भी घातक हथियारों के निर्यात पर प्रतिबंध को जारी रखता है। जापान की ओर से यह फैसला ऐसे समय में आया है, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा ने बीते मंगलवार को टोक्यो में क्वाड लीडर्स समिट के दौरान एक बैठक के दौरान रक्षा निर्माण सहित द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर आपसी सहमति जताई थी। भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनके साथ जापान ने अपने रक्षा बलों के बीच आपूर्ति और सेवाओं के पारस्परिक प्रावधान के लिए एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि ना सिर्फ दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को बढ़ावा मिले, बल्कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा में भी योगदान दिया जा सके। जापान के सैन्य बलों और भारत की सेना के बीच क्रॉस-सर्विसिंग समझौते (एसीएसए) पर सितंबर 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे।

बिहार- औरंगाबाद में जहरीली शराब पीकर एक दर्जन लोग बन गए काल ग्रास, पड़ताल में लगा स्वास्थ्य महकमा

औरंगाबाद । बिहार में शराबबंदी है बावजूद सके यहां अवैध शराब का कारोबार फल-फूल रहा है। यहां के औरंगाबाद जिले में जहरीली शराब से अब तक एक दर्जन लोगों की मौत हो गई है। औरंगाबाद के मदनपुर प्रखंड में कई लोगों ने अपनी आंखों की रोशनी भी गंवा दी है। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों और नेताओं का दावा है कि मौतों की संख्या 20 से अधिक है। जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के अनुसार, राहत कार्य किए जा रहे हैं और कुछ लोगों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। बता दें कि बीते 22 मई को पहली बार जहरीली शराब से मौत का यह मामला तब सामने आया था जब रानीगंज गांव में 3 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद विभिन्न गांवों में एक के बाद एक मौत होते रहे और अब आधिकारिक रूप से यह आंकड़ा 12 तक पहुंच गया है। हालांकि, कई स्थानीय नेता व ग्रामीण दावा कर रहे हैं कि 20 अधिक लोगों ने इस त्रासदी में अपनी जान गंवाई है। इसके साथ ही डीएम सौरभ जोरवाल तथा एसपी कांतेश कुमार मिश्र के द्वारा जगह-जगह पर जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। इस बीच मदनपुर प्रखंड के जिन गांवों में जहरीली शराब के संभावित सेवन के कारण लोगों की मृत्यु हुई है, उन सभी गांवों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से चिकित्सकीय सर्वे कराया गया। नकली शराब की आशंका के तहत कराए जा रहे सर्वे के क्रम में शराब से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं मनोवैज्ञानिक नुकसान और मृत्यु की आशंका के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। सर्वे के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बताया कि ग्राम बेरी के चार घरों में सर्वे के बाद किसी तरह की कोई परेशानी नहीं पाई गई। वहीं, खिरियावां में सोलह घरों का सर्वे किया गया तो पता चला कि तीन लोगों का इलाज चल रहा है। ग्राम बरडी के एक व्यक्ति रामाशीष यादव के संबंध में जानकारी मिली कि इलाज हेतु उन्हें प्राइवेट अस्पताल में गया में भर्ती कराया गया है।

भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,685 नए मामले, 33 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,685 नए मामले सामने आने के बाद देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,31,50,215 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 16,308 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में देश में संक्रमण से 33 और मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,24,572 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल मामलों का 0.04 फीसदी है, जबकि संक्रमण से मुक्त होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.75 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 494 की वृद्धि हुई है। मंत्रालय के अनुसार, दैनिक संक्रमण दर 0.60 फीसदी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 0.54 प्रतिशत है।

सबसे सस्ती स्वास्थ्य सुविधाओं, चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बन रहा भारत : राष्ट्रपति

भोपाल। (एजेंसी)

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि भारत दुनिया में सबसे सस्ती दरों पर चिकित्सा सुविधाएं मुहैया करा रहा है और विदेशों, विशेषकर पड़ोसी देशों, से लोग स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए भारतीय अस्पतालों का रुख कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बन रहा है। कोविंद ने यहां आरोग्य भारती संस्था द्वारा 'वन नेशन, वन हेल्थ सिस्टम' विषय पर आयोजित 'आरोग्य मंथन' सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा, 'दुनिया में सबसे सस्ती चिकित्सा सुविधाएं भारत में उपलब्ध हैं और अस्पतालों, विशेषकर दिल्ली, में स्थानीय मरीजों की तुलना में पड़ोसी देशों के लोग अधिक इलाज करवा रहे हैं।' कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए कोविंद ने कहा कि दो-ढाई साल से दुनिया अद्द्य महामारी से गुजरी है, संभवतः केवल एक-दो प्रतिशत लोग ही इससे बचे हों। किसी न किसी रूप में सभी इससे प्रभावित हैं। उन्होंने कोविड-19 से लोगों की जान बचाने वाली वैक्सीन विकसित करने के लिए देश के वैज्ञानिकों और चिकित्सकों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वास्तविकता यह है कि यदि वैज्ञानिक व चिकित्सक न होते, तो क्या होता। कोविड वैक्सीन से दुनिया में मानवता का व्यापक हिस्सा बच गया, जबकि सौ साल पहले जब महामारी आई थी तो उसमें असंख्य लोग गुजर गए थे।' उन्होंने कहा कि हाल ही में जमैका और सेंट विंसेंट देश की अपनी यात्रा के दौरान वह आठ कार्यक्रमों में शामिल हुए, जिनमें उन देशों के शासनाध्यक्षों ने जरूरत के समय उन्हें कोविड-19 रोधी वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए भारत की बार-बार प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमैका और सेंट विंसेंट को 50-50 हजार कोविशील्ड वैक्सीन की खुराक मुफ्त भेजी थी। दोनों देशों के शीर्ष नेता भारत की इस मानवीय पहल की प्रशंसा करते नहीं अघाते थे।' राष्ट्रपति ने कहा कि जहां भारत उन देशों के साथ द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता था, वहीं वे भारत की चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी लेने में अधिक रुचि रखते थे। उन्होंने कहा कि भारत चिकित्सा पर्यटन का केंद्र बन रहा है और यहां स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं और संस्थागत उपचार आसानी से उपलब्ध हैं। देश में स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करने के लिए केरल में स्थापित आरोग्य भारती की प्रशंसा करते हुए कोविंद ने कहा कि इस संस्था की टीम देश के 85 प्रतिशत जिलों में सक्रिय है। राष्ट्रपति ने 'वन नेशन- वन हेल्थ सिस्टम' शुरू करने के सरकार के कदम की भी प्रशंसा की। कार्यक्रम को मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी संबोधित किया।

मौलाना महमूद मदनी का बयान, नफरत फैलाने वाले देश के दुश्मन और गद्दार हैं

देवबंद (उत्तर प्रदेश)। देश के प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत-उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना महमूद मदनी ने देश में 'नफरत' फैलाने वालों को देश का दुश्मन और गद्दार बताया साथ ही नफरत को मोहब्बत से खत्म करने का लोगों को पैगाम दिया। मदनी ने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के देवबंद में जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की प्रबंधक समिति के अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मदनी ने देश में हाल में हुई कुछ साम्प्रदायिक घटनाओं का परोक्ष रूप से हवाला देते हुए कहा, 'देश में बहुमत उन लोगों का नहीं है जो नफरत के पुजारी हैं और अगर हम उनके उकसावे में आकर उसी लहजे में जवाब देंगे तो वे अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे।' उन्होंने कहा, 'देश में नफरत की दुकान चलाने वाले मुल्क के दुश्मन हैं, गद्दार हैं।' उन्होंने कहा कि नफरत का जवाब कभी भी नफरत से नहीं दिया जाता बल्कि मोहब्बत से दिया जाता।

चंपावत में पुष्कर सिंह धामी के लिए योगी आदित्यनाथ ने किया प्रचार, बोले- 31 मई को बनेगा इतिहास

देहरादून (एजेंसी)

उत्तराखंड में चंपावत विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। दरअसल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस बार विधानसभा चुनाव में अपनी परंपरागत सीट खटीमा से हार गए थे। बावजूद इसके भाजपा ने उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री बनाया है। ऐसे में मुख्यमंत्री बने रहने के लिए उन्हें 6 महीने के भीतर सदन का सदस्य होना जरूरी है। यही कारण है कि चंपावत सीट से पुष्कर सिंह धामी चुनावी मैदान में हैं। 31 मई को चंपावत विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होंगे। आज पुष्कर सिंह धामी के लिए प्रचार करने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी पहुंचे थे। पुष्कर धामी के समर्थन में योगी आदित्यनाथ ने भव्य रोड शो किया।

लोगों को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तराखंड जब अपनी 25 वर्षों की यात्रा पूरी करेगा तब उसे यादगार बनाने के लिए चंपावत के पास बहुत कुछ होगा। जब भी अवसर मिले तब उससे चूकना नहीं चाहिए। टनकपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा कि चंपावत को विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए अपने मुख्यमंत्री के साथ जुड़कर उन्हें रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाने के लिए हम सबको आगे आना चाहिए। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री और चंपावत से उम्मीदवार धामी ने कहा कि 31 मई का दिन हमारे विधानसभा क्षेत्र के लिए उत्सव का दिन होना चाहिए। सुबह 7 बजे से शाम 7 बजे तक मतदान होगा तो आपको कमल का बटन इतना दबाना है कि शाम तक वो बटन अंदर चला जाए और 3 तारीख को जब ईवीएम खुले तो उसमें से कमल की लडियां लग जाए।

इससे पहले योगी ने ट्वीट कर कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का जनपद चम्पावत 31 मई को एक इतिहास बनाने जा रहा है। सामान्यतः जनता सांसद, विधायक, प्रधान आदि जन-प्रतिनिधियों को चुनती है। लेकिन चम्पावत के लोग इस बार 'मुख्यमंत्री' का चुनाव करने जा रहे हैं। आपको बता दें कि 2022 के विधानसभा चुनाव में उत्तराखंड में भाजपा ने जबरदस्त जीत हासिल की। भाजपा को कुल 70 में से 48 सीटों पर जीत मिली। हालांकि खुद मुख्यमंत्री के चेहरे रहें पुष्कर सिंह धामी चुनाव हार गए। पुष्कर सिंह धामी के लिए चंपावत सीट खाली कराया गया। चंपावत में पुष्कर सिंह धामी का मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार निर्मला गहतोड़ी से है। यहां के नतीजे 3 जून को आएंगे।

फिर अपनी ही सरकार पर बरसे वरुण गांधी, आंकड़े पेश कर पूछा- 'कहां गया बजट?'

नई दिल्ली (एजेंसी)

बीजेपी नेता और अपनी ही सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहने वाले वरुण गांधी ने एक बार फिर बेरोजगारी और खाली पड़े पदों को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि जब बेरोजगारी तीन दशकों के सर्वोच्च स्तर पर है। तब ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं। जहां भर्तियां न होने पर करोड़ों युवा हताश व निराश हैं। वहीं सरकारी आंकड़ों की ही माने तो देश में 60 लाख स्वीकृत पद खाली हैं। वरुण ने कहा कि कहां गया वो बजट जो इन पदों के लिए आवंटित था। ये जानना हर नौजवान का हक है। ट्वीट में वरुण ने इसके साथ ही एक सूची को ट्वीट किया गया है जिसमें बताया गया है कि किस विभाग में कितने रिक्त पद हैं।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला बजट बृहस्पतिवार को विधानसभा में पेश किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए छह लाख 15 हजार 518 करोड़ रुपये का यह बजट प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा बजट है और इस प्रस्तावित बजट में सरकार ने समग्र शिक्षा अभियान पर 18,670 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है। बजट विधानसभा में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने प्रस्तुत किया। यह पिछले वित्त वर्ष के लिये पारित 5,50,270 करोड़ रुपये के बजट के मुकाबले 65 हजार 249 करोड़ रुपये अधिक है। इस बजट में पुलिस तंत्र में बेहतरी के साथ किसानों, महिलाओं, युवाओं, चिकित्सा, शिक्षा क्षेत्रों और आस्था के केंद्रों के विकास के लिए सरकार ने खजाना खोला है।

आपको बता दें कि इससे पहले भी वह अपनी ही सरकार की नीतियों पर सवाल खड़े करते रहे हैं। कि 2022 विधानसभा चुनाव में जहां छोटे-बड़े तमाम नेता पूरे यूपी में चुनाव प्रचार कर रहे थे, उस समय भी वरुण गांधी सरकार के खिलाफ ट्वीट पर ट्वीट दाग रहे थे।

पहले भारत में बिक्री की मंजूरी मिले, फिर टेस्ला का संयंत्र लगाने पर फैसला: मस्क

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऐलन मस्क ने कहा है कि टेस्ला को भारत में अपनी कारों की बिक्री की अनुमति मिलने के बाद ही स्थानीय स्तर पर इसके विनिर्माण के बारे में कोई फैसला किया जाएगा। मस्क ने भारत में टेस्ला का विनिर्माण संयंत्र लगाने की संभावना के बारे में ट्विटर पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'टेस्ला किसी भी ऐसी जगह पर अपना विनिर्माण संयंत्र नहीं लगाएगी जहां उसे पहले अपनी कारों की बिक्री एवं सर्विस की अनुमति नहीं दी गई हो।'

मस्क का यह बयान इस लिहाज से अहम है कि केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने टेस्ला को भारत में ही बनी कारों की बिक्री की मंजूरी देने की बात कही थी। गडकरी ने अप्रैल में कहा था कि अगर टेस्ला भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कारों के उत्पादन के लिए तैयार है तो वह यहां पर बिक्री कर सकती है। दरअसल भारत विदेश में बनी कारों के आयात पर भारी शुल्क लगाता है जिसकी वजह से उनकी कीमत काफी बढ़ जाती है।

टेस्ला ने इस आयात शुल्क में कटौती की मांग रखी थी। मस्क ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि टेस्ला भारत में अपने वाहनों को बेचना चाहती है लेकिन यहां पर बहुत ज्यादा आयात शुल्क लगता है। मस्क ने कहा था कि अगर टेस्ला को भारतीय बाजार में कामयाबी मिलती है तो वह भारत में इसका विनिर्माण संयंत्र लगाने के बारे में सोच सकते हैं। फिलहाल भारत विदेश में बनी 40,000 डॉलर से अधिक मूल्य वाली कारों के आयात पर 100 फीसदी शुल्क लगाता है।

अब हरियाणा में खुद को मजबूत करने में जुटी अअढ, रविवार को कुरुक्षेत्र में रैली करेंगे अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पंजाब में चुनावी जीत के बाद आम आदमी पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ा हुआ है। यही कारण है कि विभिन्न राज्यों में लगातार आम आदमी पार्टी विस्तार पर काम कर रही है। पंजाब जीत के बाद आम आदमी पार्टी की ओर से गुजरात और हिमाचल प्रदेश में भी चुनाव लड़ने का ऐलान किया जा चुका है। खुद आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल लगातार दोनों राज्यों का दौरा कर रहे हैं। इन सबके बीच अब दिल्ली से सटे हरियाणा में भी आम आदमी पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियों को शुरू कर चुकी है। आम आदमी पार्टी का पूरा फोकस हरियाणा में खुद को मजबूत करने पर है। इसके लिए संगठन स्तर पर काम की शुरूआत की जा चुकी है। खबर के मुताबिक के दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 29 मई को कुरुक्षेत्र में एक विशाल रैली करने वाले हैं।

इस बात की जानकारी आम आदमी पार्टी के हरियाणा ट्विटर हैंडल की ओर से दी गई। ट्वीट में लिखा गया कि दिल्ली जीती, पंजाब जीता, अब जीतेंगे हरियाणा। 29 मई को कुरुक्षेत्र की रैली में हरियाणा बदलने की शुरूआत होगी। अब हरियाणा में भी केजरीवाल। अरविंद केजरीवाल की कुरुक्षेत्र में होने वाली रैली को ध्यान में रखते हुए पार्टी के कार्यकर्ता डोर टो डोर कैंपेन की शुरूआत कर चुके हैं। वे लगातार अब बदलेगा हरियाणा का नारा दे रहे हैं और लोगों को रैली में जुटने का अनुरोध भी कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी का दावा है कि कुरुक्षेत्र की जनता अरविंद केजरीवाल की रैली को लेकर पूरे जोश में है। आम आदमी पार्टी की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि हरियाणा की जनता ने अब यहां बदलाव की बात ठान ली है और इसका आगाज 29 मई को कुरुक्षेत्र से होगा।

आपको बता दें कि हरियाणा में फिलहाल बीजेपी गठबंधन की सरकार है। मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में लगातार दूसरी बार सरकार चल रही है। हाल के चुनाव में देखे तो हरियाणा में दो दलों के बीच ही मुख्य मुकाबला रहता है। भाजपा और कांग्रेस। फिलहाल दुष्यंत चौटाला की पार्टी जजपा भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ी है। जबकि इनेलो स्वतंत्र चुनाव लड़ती जरूर है लेकिन हाल फिलहाल में उसे बड़ी सफलता नहीं मिल पाई है। ऐसे में आम आदमी पार्टी के एंट्री से हरियाणा की राजनीति दिलचस्प हो सकती है। हरियाणा और दिल्ली को लेकर कई विवाद भी होते रहते हैं। खासकर के पानी को लेकर। ऐसे में अरविंद केजरीवाल अब पूरी तरह से हरियाणा में अपनी पार्टी के विस्तार में जुट गए हैं। हरियाणा में 2024 में विधानसभा के चुनाव होंगे।

बच्चों की गुमशुदगी के मामले बढ़े, गैर-सरकारी संगठनों ने सतर्कता बढ़ाने की मांग की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

बाल अधिकारों की दिशा में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने पिछले दो वर्षों में कोविड-19 महामारी के सामाजिक प्रभाव के कारण बच्चों की गुमशुदगी के मामलों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए इन संगठनों ने ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियों को तत्काल मजबूत करने और अभिभावकों को संवेदनशील बनाने तथा उन्हें जरूरी प्रशिक्षण देने का आह्वान किया है। उन्होंने सरकार से इस बाबत पर्याप्त बजट आवंटित करने का आग्रह भी किया है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, साल 2020 में भारत में 59,262 बच्चे लापता हुए थे, जबकि पिछले वर्षों में खोए 48,972 बच्चों का पता नहीं लगाया जा सका था, जिससे देश में गुमशुदा बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 1,08,234 पर पहुंच गई थी। एनसीआरबी के अनुसार, साल 2008 से 2020 के बीच बच्चों की गुमशुदगी के सालाना मामले लगभग 13 गुना बढ़ गए। 2008 में देश में लापता हुए बच्चों की संख्या 7,650 थी। कैलाश सत्यार्थी फाउंडेशन की सहयोगी संस्था बचपन बचाओ आंदोलन (बीबीए) के कार्यकारी निदेशक धनंजय टिंगल ने बताया कि पिछले दो वर्षों में बीबीए ने देशभर में लगभग 12,000 बच्चों को बचाया है। टिंगल ने पीटीआई-से कहा, हमारे पास यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि महामारी की दस्तक के बाद बाल तस्करी कई गुना बढ़ गई है।

एनजीओ 'चाइल्ड राइट्स एंड यू' (क्राई) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2021 में मध्य प्रदेश में रोजाना औसतन 29 और राजस्थान में 14 बच्चे लापता हुए। यह रिपोर्ट सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून के तहत दायर एक आवेदन से मिली जानकारी पर आधारित है। टिंगल ने कहा, कुछ बच्चों की तस्करी उनके माता-पिता की सहमति से की जा रही थी, जबकि कुछ अपनी मर्जी से तस्करों के साथ गए। बहरहाल, इनमें से अधिकांश बच्चे लापता हैं। उन्होंने रेलवे, रोडवेज और अन्य परिवहन सेवाओं के कर्मचारियों से आग्रह किया कि अगर उन्हें कोई अकेला बच्चा या भीख मांगने वाला बच्चा दिखता है तो वे तुरंत इसकी सूचना दें। टिंगल ने कहा, ऐसे बच्चों को सरकारी सुरक्षा के दायरे में लाया जाना चाहिए। 'सेव द चिल्ड्रन' में बाल संरक्षण से जुड़े मामलों के उप-निदेशक प्रभात कुमार ने कहा, बढ़ती गरीबी बच्चों के लापता होने या तस्करी का शिकार बनने का एक प्रमुख कारण है।

उन्होंने कहा कि स्कूली शिक्षा तक पहुंच न होने और कोविड-19 के कारण सीखने की प्रक्रिया बाधित होने के कारण भी स्थिति खराब हुई है। क्राई की क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) सोहा मोइत्रा ने कहा, 'ग्रामीण क्षेत्रों में कई परिवार पहले से ही कर्ज में डूबे थे। महामारी के कारण उन पर आर्थिक बोझ और बढ़ गया है। ऋण वापस करने के दबाव ने ऐसे परिवारों के बच्चों की तस्करी, बाल श्रम और बाल विवाह को बढ़ावा दिया है।' उन्होंने कहा कि मास्क के इस्तेमाल की अनिवार्यता से अक्सर तस्करों और अपहरणकताओं की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। मोइत्रा के अनुसार, संबंधित सरकारी विभागों को स्थानीय प्रशासनिक निकायों और नागरिक समाज संगठनों के सहयोग से बच्चों की शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता फौलाने के लिए नियमित रूप से आगे आना चाहिए। 2020 में लगभग चार महीने (मार्च से जून तक) पूर्ण लॉकडाउन होने के बावजूद कुल 59,262 बच्चों की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई थी, जिनमें 13,566 लड़के, 45,687 लड़कियां और नौ ट्रांसजेंडर शामिल हैं।

एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, लापता लड़िकयों की संख्या 2018 में लगभग 70 प्रतिशत से बढ़कर 2019 में 71 प्रतिशत और 2020 में 77 प्रतिशत हो गई। दूसरी ओर, पिछले वर्षों में लापता बच्चों की संख्या 2018 में कुल गुमशुदा बच्चों का लगभग 42 प्रतिशत, 2019 में 39 प्रतिशत और 2020 में 45 प्रतिशत थी।

द्वारकाधीश की शरण में पहुंचे अमित शाह, पत्नी के साथ पूजा-अर्चना की

देवभूमि द्वारका । केन्द्रीय गृह एवं सहकारी मंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं शनिवार को अमित शाह ने अपनी धर्मपत्नी के साथ भगवान द्वारकाधीश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की आज सुबह जामनगर एयरपोर्ट पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीधे भगवान द्वारकाधीश मंदिर के रवाना हो गऐ द्वारकाधीश मंदिर में अमित शाह ने सपत्नीक भगवान की पूजा-अर्चना की भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के बाद अमित शाह ने नेशनल कोस्टल पुलिस एकेडमी (एनएसीपी) का दौरा किया और तालीमार्थियों के साथ चर्चा की बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी आज गुजरात में हैं राजकोट के आटकोट में

मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी के साथ अमित शाह आज ही गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकार सम्मेलन में शामिल होंगे पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली के रवाना हो जाएंगे जबकि अमित शाह रविवार को भी गुजरात में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे रविवार को अमित शाह अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होनेवाले आईपीएल का फाइनल मैच देखेंगे

सार समाचार

शंघाई में घरों में कैद लोग सड़कों पर उतरे, लॉकडाउन को हटाने की मांग की

बीजिंग। चीन के शंघाई नगर में कोरोना वायरस संक्रमण से निपटने के लिये लगाये गये लॉकडाउन को हटाने की मांग करते हुए लोग अब सड़कों पर उतरने लगे हैं। शंघाई के लोगों में लॉकडाउन पाबंदियों को लेकर नाराजगी है। शंघाई शहर के लोग कोविड-19 पाबंदियों में राहत की मांग कर रहे हैं। शंघाई में 2.1 करोड़ से अधिक लोग अब 'एहतियाती क्षेत्रों' में हैं। सैद्धांतिक रूप से इन क्षेत्रों में रहने वाले लोग बाहर जाने के लिए स्वतंत्र हैं। कुछ लोगों को जारी किये गये विशेष पास के जरिये बाहर जाने की अनुमति है। निवासियों ने मांग की कि उन्हें बिना समयसीमा या प्रतिबंधों के आवागमन की अनुमति दी जाये। स्थानीय समितियों ने पाबंदियों में मामूली राहत देते हुए कहा है कि सिर्फ ऐसे लोग ही घरों से बाहर निकल सकेंगे, जिनके पास अनुमति होगी।

दक्षिण चीन में भारी बारिश और तूफान का कहर, 15 लोगों की मौत

बीजिंग। दक्षिणी चीन में मूसलाधार बारिश के चलते हुए कई हादसों में 15 लोगों की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लापता बताए जा रहे हैं। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने अपनी खबर में वूपिंग काउंटी के सूचना कार्यालय के हवाले से बताया कि फूजियान प्रांत में भूस्खल से दो इमारतें धराशाही हो गई, जिससे आठ लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रीय प्रसारक सीसीटीवी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि युन्नान प्रांत में पांच अन्य लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। अधिकारियों ने बताया कि गुआंगशी क्षेत्र में शिन्चेंग काउंटी में शुक्रवार को बाढ़ के पानी के साथ तीन बच्चे बह गए, जिनमें से दो की मौत हो गई और एक को बचा लिया गया। चक्रवात से युन्नान प्रांत की क्यूबेई काउंटी में सड़कें, पुल, दूरसंचार तथा बिजली संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए। यह स्थान वियतनाम सीमा से 130 किलोमीटर दूर है। शिन्हुआ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि फुजियान में एक फैक्टरी के मलबे से पांच शव और एक रिहायशी इमारत के मलबे से तीन शव बरामद किए गए। बृहस्पतिवार शाम से वूपिंग काउंटी में बारिश जारी है। ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में सड़कों पर मिट्टी वाला पानी भरा नजर आ रहा है। कई जगहों पर सड़कें आंशिक रूप से बह जाने की खबरें हैं।

मंडराने लगा मंकीपॉक्स का खतरा, अर्जेंटीना में दो मामले सामने आए

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना में शुक्रवार को मंकी पॉक्स के दो मामले सामने आए। दोनों मामले हाल ही में स्पेन से अर्जेंटीना पहुंचे दो पुरुषों में दर्ज किए गए, जिससे लातिन अमेरिका में पहली बार इस संक्रमण की मौजूदगी की पुष्टि हुई। अर्जेंटीना के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले ब्यूनस आयर्स के एक व्यक्ति के मंकी पॉक्स से संक्रमित होने की बात कही थी। यह व्यक्ति हाल ही में स्पेन से लौटा था। मंत्रालय ने बाद में एक बयान जारी कर बताया कि इस सप्ताह की शुरूआत में अर्जेंटीना आए स्पेन के एक नागरिक में भी मंकी पॉक्स संक्रमण की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने संक्रमितों के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी है। उन्होंने कहा, 'दोनों की हालत स्थिर है। उन्हें पृथक-वास में रखा गया है और उनका उपचार जारी है।' मंत्रालय के मुताबिक, स्पेन से लौटे दोनों मरीजों के संपर्क में आए लोगों की जांच की जा रही है और अभी तक किसी में संक्रमण के लक्षण सामने नहीं आए हैं।

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण के बाद अमेरिका ने रूसी बैंकों पर नये प्रतिबंध लगाये

वाशिंगटन। अमेरिका ने उत्तर कोरिया और उसके परमाणु एवं बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को लेकर नये प्रतिबंधों के तहत शुक्रवार को दो रूसी बैंकों को लक्षित किया। उत्तर कोरिया के मंगलवार को तीन नये बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण करने के बाद अमेरिका ने ये प्रतिबंध लगाये हैं। न मिसाइल में एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल है। अमेरिकी वित्त विभाग ने प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा शुक्रवार को लगाये गये प्रतिबंधों में दो रूसी बैंक शामिल हैं जिनके नाम फार ईस्टर्न और स्पुतनिक हैं।

एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर और एलजीबीटी पर सख्त कानून पेश करने वाला है यह देश, सजा में दिए जाते है 100 कोड़े

इंडोनेशिया देश में जल्द ही एक ऐसा विधेयक पास होने वाला है जिसके तहत अब एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर को देश में अपराध घोषित कर दिया जाएगा। खबरों के मुताबिक, इस समय विधेयक पर संसद में बहस छिड़ी हुई है। बता दें कि अगर यह कानन पारित हो जाता है कि मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया में अप्राकृतिक यौन संबंधों और समलैंगिक संबंधों को भी पूरी तरह से गैर कानूनी घोषित कर दिया जाएगा। इससे देश में यौन संबंध रखने वालों और समलैंगिकों के खिलाफ हिंसा बढ़ सकती है। जानकारी के लिए बता दें कि इंडोनेशिया में समलैंगिकता और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर अवैध नहीं हैं, लेकिन कुछ इस्लामी कट्टर लोग इसे एक बुराई की तरह देखते है। इंडोनेशिया के आचेह राज्य में अभी भी इसलाम का शरिया कानून लागू है जिसके तहत अगर कोई भी समलैंगिकता और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में अपराधी के रुप में पाया जाता तो उस व्यक्ति को 100 कोड़े की सजा दी जाती है। बताया जा रहा है कि यह विधेयक जुलाई तक पारित हो सकता है।

अप्राकृतिक यौन-संबंधों को अपराध घोषित किया जाएगा

बेनार न्यूज से बातचीत करते हुए सांसद ने कहा कि अप्राकृतिक यौन-संबंधों को भी नए कानून के तहत अपराध घोषित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे संबंध देश के संविधान के खिलाफ है। 'मानवाधिकारों का उल्लंघन' 'सेंटर फॉर लीगल एंड पॉलिसी स्टडीज' के एक शोधकर्ता जोहाना पुरबा के अनुसार, इंडोनेशिया अगर ये कानून बना लेता है तो ये अंतरराष्ट्रीय कानून 'नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा ' का उल्लंघन होगा। जोहाना ने कहा, 'किसी को उसकी यौन प्रवृत्ति के कारण अपराधी बताना मानवाधिकारों का उल्लंघन है और ये विधेयक निजता के अधिकार का भी उल्लंघन है।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी पर वकील के खिलाफ मामला दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के खिलाफ 'अभद्र और अपमानजनक' टिप्पणी करने के मामले में पाकिस्तान पुलिस ने शुक्रवार को अधिवक्ता ईमान हाजिर मजारी के खिलाफ मामला दर्ज किया। ईमान पूर्व मानवाधिकार कार्यकर्ता और इमरान सरकार में मंत्री रहीं शिरीन मजारी की बेटी हैं। जज एडवोकेट जनरल, जीएचक्यू, के लेफ्टिनेंट कर्नल सैयद हुमायूं इफ्तिखार की अर्जी पर इस्लामाबाद के रमना पुलिस थाने में धारा 505 (नफरती भाषण) और पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 138 के तहत ईमान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

एनापोलिस में अमेरिकी नौसेना में शामिल मिडशिपमैन सेना में कमीशन हासिल होने पर शपथ लेते हुए।

ब्राजील में हैकर्स ने एयरपोर्ट पर डिस्प्ले स्क्रीन हैक कर दिखाई पॉर्न फिल्में

रियो डी जिनेरियो । ब्राजील के रियो डी जिनेरियो में एक हवाईअड्डे की इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले स्क्रीन हैकर्स ने हैक कर ली। यात्रियों को इस स्क्रीन पर विज्ञापन और उड़ान की सूचना के बजाय अश्लील फिल्में दिखाई जाने लगीं। ब्राजील के हवाईअड्डा प्राधिकरण इंफ्राएरो ने कहा कि इसे लेकर पुलिस से शिकायत दर्ज कराई गई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो क्लिप में सांतोस डुमोंट हवाईअड्डे पर यात्रियों को डिस्प्ले स्क्रीन्स को देखकर हंसते हुए और उन्हें अपने बच्चों से छिपाते हुए देखा गया। हवाईअड्डा प्राधिकरण ने बयान में कहा कि इन पर दिखाई जाने वाली सूचना सेवाओं की जिम्मेदारी एक अन्य कंपनी की है, जिसे यह जानकारी दे दी गई है। इंफ्राएरो ने कहा कि उसने हैक की गई स्क्रीन्स को बंद कर दिया है। दूसरी तरफ, ब्राजील में धुएं से भरी एक एसयूवी में फेडरल हाईवे पुलिस के दो अधिकारियों की ओर से एक अश्वेत व्यक्ति को जबरन पकड़े रहने और दम घुटने से उसकी मौत होने का वीडियो सामने आने के बाद देश में जनआक्रोश फैल गया है।

उत्तर-पूर्वी राज्य सर्जिप में रिकॉर्ड किए गए इस वीडियो में दो पुलिस अधिकारियों को 38 वर्षीय जेनिवाल्डो डी जीसस सैंटोस को जबरन धुएं से भरी एसयूवी में खींचते देखा जा सकता है। इस दौरान जीसस को रहम की भीख मांगते और चिल्लाते हुए सुना जा सकता है। वीडियो में एसयूवी के बाहर सिर्फ जीसस के पैर नजर आ रहे हैं, जो कुछ समय बाद हरकत करना बंद कर देते हैं। इसके सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद यूजर्स का गुस्सा भड़क उठा।

चीन ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के बयान पर नाराजगी जताई

- विदेश मंत्री ने कहा था, द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की व्यवस्था में चीन ने एक बड़ा खतरा पैदा किया

बीजिंग (एजेंसी)

चीन ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के उस बयान पर नाराजगी जताई है जिसमें उन्होंने कहा था कि द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की व्यवस्था में चीन ने एक बड़ा खतरा पैदा किया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि अमेरिका जानबूझकर गलत जानकारी फैला रहा है और चीन की घरेलू व विदेश नीति को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, ब्लिंकन के बयान का मकसद चीन के विकास को रोकना और अमेरिका का वर्चस्व कायम करना है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं और इसे खारिज करते हैं। वांग ने कहा कि अमेरिका जिस नियम आधारित व्यवस्था की वकालत करता है, उसे समझने वाले लोग जानते हैं कि ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है बल्कि अमेरिका और कुछ अन्य देशों के बनाए हुए नियम हैं, जिनका मकसद अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में अमेरिका का प्रभुत्व कायम रखना है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने घरेलू कानून को अंतरराष्ट्रीय कानून से ऊपर रखता है और अपनी मर्जी के हिसाब से अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करता है। ब्लिंकन ने अपने भाषण में अमेरिकी प्रशासन की चीन नीति को रेखांकित करते हुए 21वीं सदी में बीजिंग के साथ आर्थिक व सैन्य प्रतिस्पर्धा को लेकर तीन सूत्रीय दृष्टिकोण रखा था। उन्होंने कहा था कि बीजिंग के दृष्टिकोण के चलते हम उन सार्वजनिक मूल्यों से दूर होते चले जाएंगे, जिन्होंने पिछले 75 वर्षों में दुनिया की प्रगति को बरकरार रखा है। उन्होंने कहा था कि अमेरिकी प्रशासन को लगता है कि चीन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद एक बड़ा खतरा पैदा किया है। ब्लिंकन ने कहा था कि चीन एकमात्र ऐसा देश है, जो अंतरराष्ट्रीय और आर्थिक, कूटनीतिक, सैन्य व प्रौद्योगिकीय व्यवस्था को बदलने की मंशा रखता है। बीजिंग के दृष्टिकोण के चलते हम उन सार्वजनिक मूल्यों से दूर होते चले जाएंगे, जिन्होंने पिछले 75 वर्षों में दुनिया की प्रगति को बरकरार रखा है। स्थानीय दृष्टिकोण और संदर्भ भी अहम हैं। हरित क्षेत्र और मानसिक स्वास्थ्य पर मौजूदा अध्ययन मुख्य रूप से विकसित अर्थव्यवस्थाओं के हैं, इसलिए वे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में लागू नहीं हो सकते हैं। निर्णय लेने में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से मदद मिलेगी।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में फंसे पाक पीएम शहबाज शरीफ, खुद को कहा मजनू

लाहौर। (एजेंसी)

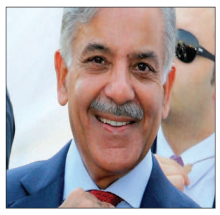

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने खिलाफ दर्ज 16 अरब पाकिस्तानी रुपये के धनशोधन मामले में शनिवार को एक विशेष अदालत में कहा कि पंजाब का मुख्यमंत्री रहने के दौरान उन्होंने वेतन तक नहीं लिया और उन्होंने ऐसा 'मजनू' होने के कारण किया। शहबाज और उनके बेटों- हमजा तथा सुलेमान के खिलाफ संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने नवंबर 2020 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम और धनशोधन रोकथाम अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। हमजा फिलहाल पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री हैं, जबकि सुलेमान फरार है और ब्रिटेन में रह रहा है। इस बीच, अदालत ने शनिवार को प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बेटे हमजा की अग्रिम जमानत की अवधि चार जून तक के लिए बढ़ा दी।

एफआईए ने अपनी जांच में शहबाज परिवार के कथित 28 बेनामी खातों का पता लगाया है जिनके जरिए 2008 से 2018 तक 14 अरब रुपये का धनशोधन किया गया। शहबाज ने सुनवाई के दौरान कहा, 'मैंने 12.5 साल में सरकार से कुछ नहीं लिया और इस मामले में मुझ पर 25 लाख रुपये के धनशोधन का आरोप है।' डॉन अखबार ने उनके हवाले से कहा, 'ईश्वर ने मुझे इस देश का प्रधानमंत्री बनाया है। मैं एक मजनू (नासमझ) हूं और मैंने अपना कानूनी अधिकार, अपना वेतन तथा लाभ नहीं लिया था।' शहबाज पहली बार 1997 में पंजाब के मुख्यमंत्री बने थे। उस वक्त उनके भाई नवाज शरीफ देश के प्रधानमंत्री थे। वर्ष 1999 में जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा नवाज शरीफ सरकार को अपदस्थ किए जाने के बाद शहबाज ने परिवार के साथ 2007 में पाकिस्तान लौटने से पहले सऊदी अरब में आठ साल निर्वासन में बिताए थे। वह 2008 में दूसरी बार पंजाब के मुख्यमंत्री बने और 2013 में तीसरी बार सत्ता में आए।

श्रीलंका में राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग को लेकर 50वें दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका में राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर सरकार विरोधी प्रदर्शन शनिवार को लगातार 50वें दिन भी जारी रहा। प्रदर्शन के आयोजकों ने कहा है कि इस दिन विशेष रूप से बड़े पैमाने पर, लोगों की व्यापक भागीदारी के साथ प्रदर्शन किए जाएंगे।

श्रीलंका इस समय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है और दिवालिया होने के कगार पर है। श्रीलंका में इस समय लोगों को भोजन, ईंधन, दवाओं और रसोई गैस से लेकर माचिस तक की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। श्रीलंका में आर्थिक संकट के कारण पिछले 49 दिनों से राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवेश द्वार पर बड़ी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके कारण वहां राजनीतिक अशांति पैदा हो गयी है। गौरतलब है कि गोटाबाया के बड़े भाई महिंदा राजपक्षे नौ मई को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे चुके हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति राजपक्षे से भी इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं, हालांकि उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया है। प्रदर्शन के आयोजकों ने कहा, 'राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर लगातार हो रहे विरोध प्रदर्शनों का आज 50वां दिन है। इस दिन लोगों की व्यापक भागीदारी के साथ प्रदर्शन किए जाएंगे।' इस बीच, पुलिस ने कहा कि उन्होंने अदालत का एक आदेश प्राप्त किया है जिसके तहत सेंट्रल कोलंबो में किला क्षेत्र की कुछ प्रमुख सड़कों पर प्रदर्शनकारियों के एकत्र होने पर रोक लगा दी गई है।

6 दिन का अल्टीमेटम और बीच में ही छोड़ा रण, सेना से डरे इमरान?

सफाई देते हुए बताया क्यों छोड़ा मैदान?

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

पाकिस्तान में सत्ता के लिए खींचतान देखी जा रही है। बेइज्जती के बाद कुर्सी गंवा चुके पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान आजादी मार्च के साथ इस्लामाबाद पहुंचे। सरकार को धमकाने के अंदाज में चेतावनी दी कि जब तक दोबारा चुनाव नहीं कराए जाते वापस नहीं लौटेंगे। लेकिन मार्च में हिंसा भड़कने के बाद इमरान खान को सेना का डर सताने लगा डरे हुए इमरान ने मार्च खत्म कर दिया। लेकिन सरकार को साथ ही एक और नई धमकी दे दी। इमरान ने छह दिन का अल्टीमेटम भी शहबाद सरकार को दिया।

सेना से डरे इमरान

पाकिस्तान के भूतपूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सत्ता गंवाने के बाद सड़क पर क्रांति लाने निकले थे। इमरान का आजादी मार्च शुरू हुआ तो हजारों की भीड़ भी इकट्ठी हो गई। इमरान चाहते भी यही थे। लेकिन भीड़ पर किसी का काबू नहीं रहा। इस्लामाबाद में हिंसा भड़क उठी। आगजनी शुरू हो गई। हर तरफ अफरा-तफरी फैल गई। तैयारी लंबी लड़ाई की थी। लेकिन हालात बेकाबू हुए तो इमरान को सेना का डर सताने लगा। डरे इमरान ने इस्लामाबाद से निकल लेने में ही भलाई समझी। हां जाते-जाते वो शहबाज सरकार को अल्टीमेटम भी देते गए। इमरान खान नई सरकार को चुनाव की तारीखें घोषित करने के लिए छह दिनों का अल्टीमेटम देकर लौट गए और सभी को चौंका दिया।

हिंसा से बचने के लिए खत्म किया मार्च

जिसके बाद से ये चर्चा चल पड़ी की इमरान खान की पार्टी पीटीआई और सेना के बीच एक 'डील' हुई है। जिसके बाद इमरान ने अचानक से अपना मार्च कैंसल कर दिया। लेकिन अब पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन खबरों को खारिज कर दिया कि उन्होंने देश में आम चुनाव की मांग को लेकर अपनी विशाल 'आजादी रैली' को समाप्त करने के लिए पाकिस्तानी सेना के साथ समझौता किया था। इसके साथ ही खान ने जोर दिया कि उन्होंने खून-खराबे से बचने के लिए अपने मार्च को समाप्त करने का फैसला किया। इमरान खान ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि देश के कई शहरों में उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सदस्यों पर पुलिस की कार्रवाई के बाद जनता में भारी आक्रोश है। खान ने कहा, पुलिस ने मार्च को रोकने के लिए जो किया, उसके बाद मैंने लोगों में काफी नाराजगी देखी वहीं डर था कि अगर हम घोषणा के अनुसार मार्च करते रहे, तो देश अराजकता में डूब जाएगा।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूसी सेना पर जीत दर्ज करने की घोषणा की

कीव। (एजेंसी)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को अपने दो संबोधनों में देश के पूर्वी हिस्से में हुई सबसे भीषण लड़ाई और यूक्रेन युद्ध में रूसी सेना पर आखिरकार जीत दर्ज करने की घोषणा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के छात्रों को संबोधित किया और कहा, 'यूक्रेन एक ऐसा देश है, जिसने रूसी सेना की असाधारण शक्ति के मिथक को तोड़ दिया है। एक ऐसी सेना, जिसके बारे में माना जाता था कि वह कुछ ही दिनों में किसी को भी हरा सकती है।' जेलेंस्की ने कहा, 'अब रूस पूरे देश पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हम यूक्रेन के भविष्य के बारे में सोचने के लिए काफी मजबूत स्थिति में हैं, जो पूरी दुनिया के लिए खुला रहेगा।' बाद में राष्ट्र के नाम दिए वीडियो संबोधन में जेलेंस्की ने दोनेत्स्क के पूर्वी शहर लाइमैन और लुगांस्क में यूक्रेन के नियंत्रण वाले अंतिम क्षेत्रों में से एक सिविएरोदोनेत्स्क को घेरने तथा उस पर कब्जा करने के रूसी प्रयासों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'दोनेत्स्क क्षेत्र के इस शहर का बड़ा रेलवे हब और दो अन्य प्रमुख शहर अब भी यूक्रेन के नियंत्रण में हैं।' यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, 'अगर कब्जा करने वालों को लगता है कि लाइमैन या सिविएरोदोनेत्स्क उनके होंगे तो वे गलत हैं। डोनबास यूक्रेन का ही रहेगा।'

अन्य घटनाक्रम : कीव, यूक्रेन - लुहान्स्क क्षेत्र के गवर्नर सेरही हैदई ने शुक्रवार को रूस के उन दावों का खंडन किया, जिनमें कहा गया है कि रूसी सेना ने पूर्वी शहर सिविएरोदोनेत्स्क को घेर लिया है। हालांकि, उन्होंने माना कि यूक्रेनी सैनिकों को पीछे हटना पड़ सकता है। हैदई ने शुक्रवार को टेलीग्राम पर लिखा कि रूसियों ने एक होटल और बस अड्डे पर कब्जा कर लिया है।

रोम - इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी ने शुक्रवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से फोन पर बात की और उन्हें 'यूरोपीय संघ (ईयू) के सहयोग से इतालवी सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।' इससे पहले, द्राघी ने बृहस्पतिवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बंदरगाहों को खोलने से संबंधित एक समझौते को लेकर बात की थी। उन्होंने पुतिन से कहा था कि अगर समझौते को मंजूरी नहीं दी जाती है तो यूक्रेन के बंदरगाहों पर मौजूद कई लाख टन अनाज के सड़ने का खतरा है। द्राघी से बातचीत में जेलेंस्की ने संकट के समाधान के लिए इटली द्वारा किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

मॉस्को - रूस के दक्षिणी प्रांत चेचन्या के क्रेमलिन समर्थित नेता ने एक वीडियो जारी कर चेतावनी दी है कि यूक्रेन के बाद अगला निशाना पोलैंड हो सकता है। रमजान कादिरोव ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम पेज पर साझा किए गए वीडियो में कहा है कि यूक्रेन का 'काम तमाम हो गया है' और अगर अगला आदेश दिया गया तो हम छह सेकंड में आपको (पोलैंड) दिखा देंगे कि आप क्या हैं। पोलैंड की सीमा यूक्रेन से लगती है और उसने अपने पड़ोसी को हथियार व अन्य सहायता प्रदान की है। पोलैंड ने लाखों यूक्रेनी शरणार्थियों को शरण भी दी है।

मॉस्को - रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि जहाजों की सुरक्षित आवाजाही की अनुमति देने के लिए यूक्रेन को अपने बंदरगाहों के पास के क्षेत्रों से समुद्री खदानों को हटा देना चाहिए। पुतिन ने ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर के साथ शुक्रवार हुई बातचीत में 'खाद्य सुरक्षा के मुद्दों पर विचारों का विस्तृत आदान-प्रदान किया।' उन्होंने पश्चिमी देशों के उन दावों को खारिज किया कि रूस की कार्रवाई ने वैश्विक खाद्य संकट को बढ़ा दिया है। अमेरिका और अन्य पश्चिमी सहयोगियों ने प्रतिबंधों को हटाने की रूसी मांग को खारिज कर दिया है और मॉस्को पर यूक्रेन से वैश्विक बाजारों में अनाज की आपूर्ति को बाधित करने का आरोप लगाया है, जिससे रूस के राष्ट्रपति कार्यालय ने इनकार किया है।

लंदन - ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि रूस की सेना पूर्वी यूक्रेन में 'स्पष्ट रूप से प्रगति' कर रही है और यूक्रेनी सेना को लंबी दूरी के रॉकेट लांचर व अन्य सैन्य सहायता की आवश्यकता है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि मॉस्को के सैनिकों ने हाल ही में कई गांवों पर कब्जा कर लिया है, क्योंकि वे पूर्वी डोनबास क्षेत्र में सिविएरोदोनेत्स्क और लिसिचन्स्क को घेरने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अब तक इस क्षेत्र पर उनका पूर्ण नियंत्रण नहीं हुआ है।

इस्तांबुल : तुर्की के विदेश मंत्री ने कहा है कि नाटो की सदस्यता के लिए तुर्की की आपत्तियों को दूर करने के लिए स्वीडन और फिनलैंड को अब उनके देश की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने की खातिर 'ठोस कदम' उठाने चाहिए। स्वीडन और फिनलैंड को नाटो की सदस्यता दिलाने के लिए संगठन के सभी सदस्य देशों के समर्थन की आवश्यकता है, लेकिन तुर्की उनका विरोध कर रहा है। तुर्की ने कुर्द लड़ाकों के लिए इन देशों के कथित समर्थन का हवाला दिया है, जिन्हें वह आतंकवादी मानता है। उसने तुर्की को हथियारों की बिक्री पर लगे प्रतिबंध का भी हवाला दिया है।

सुविचार — दुखियारों को हमदर्दी के आंसू भी कम प्यारे नहीं होते। - प्रेमचंद

संपादकीय

रेत-समाधि: बधाई लेकिन...?

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

गीतांजलि श्री के उपन्यास 'रेत-समाधि' के अंग्रेजी अनुवाद 'टूम्ब ऑफ सेन्ड' को बुकर सम्मान मिलने पर हिंदी जगत का गदगद होना स्वाभाविक है। मेरी भी बधाई। मूल अंग्रेजी में लिखे गए कुछ भारतीय उपन्यासों को पहले भी यह सम्मान मिला है। लेकिन किसी भी भारतीय भाषा के उपन्यास को मिलनेवाला यह पहला सम्मान है। लगभग 50 लाख रु. की यह सम्मान राशि उसकी लेखिका और अनुवादिका डेजी रॉकवेल के बीच आधी-आधी बटेगी। इतनी बड़ी राशिवाला कोई सम्मान भारत में तो नहीं है। इसलिए भी इसका महत्व काफी है। वैसे हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में इतने उत्कृष्ट उपन्यास लिखे जाते रहे हैं कि वे दुनिया की किसी भी भाषा की कृतियों से कम नहीं हैं लेकिन उनका अनुवाद अपनी भाषाओं में ही नहीं होता तो विदेशी भाषाओं में कैसे होगा? भारतीय भाषाओं में कुल मिलाकर जितनी रचनाएं प्रकाशित होती हैं, उतनी दुनिया के किसी भी देश की भाषा में नहीं होतीं। इसीलिए पहले तो भारत में एक राष्ट्रीय अनुवाद अकादमी स्थापित की जानी चाहिए, जिसका काम भारतीय भाषाओं के श्रेष्ठ ग्रंथों का सिर्फ आपसी अनुवाद प्रकाशित करना हो। इस तरह के कुछ उल्लेखनीय अनुवाद-कार्य साहित्य अकादमी, ज्ञानपीठ और कुछ प्रादेशिक संस्थाएं करती जरुर हैं। उस अकादमी का दूसरा बड़ा काम विदेशी भाषाओं की श्रेष्ठ कृतियों को भारतीय भाषाओं में और भारतीय भाषाओं की रचनाओं का विदेशी भाषाओं में अनुवाद करना हो। यह कार्य भारत की सांस्कृतिक एकता को सुदृढ़ बनाने में सहायक तो होगा ही, विश्व भर की संस्कृतियों से भारत का परिचय बढ़ाने में भी यह अपनी भूमिका अदा करेगा। अभी तो हम सिर्फ अंग्रेजी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद पर सीमित हैं, जो कि गलत नहीं है लेकिन यह हमारी गुलाम मनोवृत्ति का प्रतिफल है। आज भी हम भारतीयों को पता ही नहीं है कि रूस, चीन, फ्रांस, जापान, ईरान, अरब देशों और लातीनी अमेरिका में साहित्यिक और बौद्धिक क्षेत्रों में कौन-कौन से नए आयाम खुल रहे हैं। अंग्रेजी की गुलामी का यह दुष्परिणाम तो है ही, इसके अलावा यह भी है कि अंग्रेजी में छपे साधारण लेखों और पुस्तकों को हम जरुरत से ज्यादा महत्व दे देते हैं। हमारे लिए बुकर सम्मान और नोबेल प्राइज़ हमारे भारत रत्न और ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी अधिक सम्मानित और चर्चित हो जाते हैं। गीतांजलि का उपन्यास 'रेत-समाधि' भारत-पाक विभाजन की विभीषिका और उससे जुड़ी एक हिंदू और मुसलमान की अमर प्रेम-कथा पर केंद्रित है। वह भारत के अत्यंत प्रतिष्ठित प्रकाशन गृह राजकमल ने छापा है तो वह उत्कृष्ट कोटि का तो होगा ही लेकिन सारे देश का ध्यान उस पर अब इसलिए जाएगा कि उसे हमारे पूर्व स्वामियों और पूर्व गुरुजन (अंग्रेजों) ने मान्यता दी है। भारत अपनी इस बौद्धिक दासता से मुक्त हो जाए तो उसे पता चलेगा कि उसने जैसे दार्शनिक, विचारक, राजनीतिक चिंतक, साहित्यकार और पत्रकार पैदा किए हैं, वैसे दुनिया के अन्य देशों में मिलने दुर्लभ हैं।

आज के कार्टुन

आत्मविश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य

नेपोलियन के बचपन में कोई यह नहीं कहता था कि बड़ा होकर यह किसी काम का निकलेगा। डॉक्टर कैलमर्स और डॉक्टर कुक को उनके अध्यापकों ने स्कूल से यह कहकर निकाल दिया था कि इन पत्थरों से सिर मारना बेकार है। ये उदाहरण बताते हैं कि दूसरे लोग किसी के संबंध में जो कहते हैं वह पूर्णतः सत्य नहीं होता। यदि आपको उपरोक्त भावों की तरह लोगों की ओर से निराशा, भर्त्सना, उपेक्षा मिलती है, आपको बुरा या असफल कहा जाता है तो इससे तनिक भी विचलित न हूजिए, मन को जरा भी गिरने न दीजिए। सर्दी, गर्मी के घातक प्रभावों से वसों द्वारा अपनी रक्षा करते हैं, मलेरिया या हैजा के कीटाणुओं को दवा के द्वारा शरीर में से मार भगाते हैं, इसी प्रकार आत्मविश्वास द्वारा उन प्रभावों को अपने मस्तिष्क में से निकाल बाहर करिए जो आपको नीच, असफल और मूर्ख ठहराते हैं। इसके लिए मजबूत बनिए। कहने वाला कोई कितना ही बड़ा, कितना ही धनवान, कितना ही प्रतिष्ठित क्यों न हो आप यह मानने को कदापि तत्पर मत हुजिए कि आपके ऊपर 'बुराइयों ने कब्जा जमा लिया है, दुर्भावना से ग्रसित हो गए हैं, योग्यता खो बैठे हैं, पाप में डूबे हुए हैं।' हालांकि यह भी हो सकता है कि अन्य लोगों की भांति आप में भी कुछ दोष हों। ये त्रुटियां ऐसी नहीं हैं, जो दूर न हो सकें। भूतकाल में कुछ ऐसे काम जरूर बन पड़े होंगे जो प्रतिष्ठा को घटाने वाले समझे जाते हों और आगे भी ऐसे अवसर बन पड़ने की संभावना है क्योंकि पूर्णता की मंजिल क्रमशः पार होती है। फसल अपनी अवधि पर पकती है, आपको हटाकर पूर्णता प्राप्त करने के लिए कुछ समय चाहिए। पारे को शुद्ध करके रसायन बना देने में वैद्य को कुछ समय लगता है, आपको भी निर्दोष मनोस्थिति तैयार करने के लिए कुछ अवकाश चाहिए। यह समय एक जन्म से अधिक भी हो सकता है। सच तो यह है कि पथरीले मार्ग को पार करने में ठोकरें लगने की आशंका रहेगी ही, जिस दुर्गम पर्वत पर आप चढ़ रहे हैं, उसमें कंकड़-पत्थर पड़े हुए हैं, बहुत बार ठोकरें लगने का क्रम चलता रहेगा। यदि हर ठोकर पर वेदना प्रकट करने की नीति ग्रहण करेंगे तो यह मार्ग रु दन और पीड़ाओं से भरा हुआ, आनंदरहित हो जाएगा। इसलिए समभूमि, चट्टान और पथरीले मार्ग का हर्ष-विषाद न करते हुए प्रधान लक्ष्य की ओर आगे बढ़ते चलिए। यही अभीष्ट होगा।

महान क्रान्तिकारी जननायक वीर विजय सिंह पथिक का राष्ट्र चिन्तन

(लेखिका- डॉ. नाज़ परवीन)

गुर्जर इतिहास वीरता, शौर्य और अदम्य साहस से परिपूर्ण है। जमीन से जुडे गुर्जर समाज का इतिहास सवर्णिम अंक्षरों से रचा बसा है। राष्ट्र प्रेमी वंचितों एवं शोषितों के अग्रिम पंक्ति के नेता जिन्होंने भारत को कई भीतरी एवं बाहरी खतरों से बचाने में अपना बलिदान दिया, उस जुझारू समाज का दिवाकर 'वीर गुर्जर, विजय सिंह पथिक' का जन्म एक क्रान्तिकारी परिवार में 27 फरवरी 1882 में हुआ था। बुलन्दशहर जिले के गांव गुठावली कलां का गुर्जर परिवार माटी से जुडा क्रान्तिकारी परिवार था। इनके दादा इन्द्र सिंह बुलन्दशहर में मालागढ़ रियासत में दीवान के पद पर थे, 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में दादा इन्द्रसिंह के शौर्य और बलिदान की गाथा में रमा इनका बचपन एक सशक्त योद्धा का निर्माण कर रहा था। योद्धा किसानों का, मजदूरों का और समाज के हाशिये पर खडे लोगों का। जिनके अधिकारों की बात करना उस दौर में कठिनतम कार्यों में से था। अंग्रेजी हुकूमत के खौफ के आगे आम जनता जिन सवालों को उठाने से भय खाती थी, गुर्जर परिवार निडरता से सबका पक्ष रखता था। इनके बचपन में लोग इन्हें भूप सिंह के नाम से पुकारते थे, पिता हमीर सिंह गुर्जर को ब्रिटिश हुकूमत ने 1857 की क्रान्ति में योगदान देने के लिए गिरफतार कर लिया, इनकी मां कमल कुमारी पर इसका गहरा प्रभाव पडा, जिसका सीधा असर पूरे परिवारिक वातावरण पर देखा जा सकता था। बचपन देश की आजादी के सपनों ने सींचा, बडे हुए तो हाशिये पर खडे लोगों का जीवन सवारने में लग गये। घर-परिवार से पहले भारत को मजबूत राष्ट्र बनाने के स्वप्न में जुट गये, महान वीर गुर्जर विजय सिंह पथिक जी! भारत के गौरव विजय सिंह पथिक अंग्रेजी हुकूमत के गहरे आलोचक थे, इसलिए युवावस्था में ही परिवार की जिम्मेदारी उठाने से ज्यादा देश में आजादी की वकालत की हिमाकत की, और जुड गये रास बिहारी बोस एवं शचीन्द्र नाथ सान्याल जैसे क्रान्तिकारियों के साथ। यह वह दौर था जब ब्रिटिश हुकूमत उन तमाम क्रान्तिकारी गतिविधियों को कुचलने में देर नहीं लगाती थी, जिनमें स्वतंत्रता की किरण नज़र आने लगती थी। इसलिए सन् 1915 में फिरोजपुर षडयन्त्र की घटना के पश्चात् इन्होंने अपना असली नाम भूपसिंह से बदलकर विजयसिंह पथिक रख लिया, और इसी नाम से ना केवल भारत अपितु इग्लैण्ड की भी ब्रिटिश हुकूमत की आंखों में खटकते रहे। गरीब को गरीबी से बाहर निकालने का जो प्रण उन्होंने लिया वह उनकी विरासत की देन थी। आजादी के इतने पहले यदि मजदूर, किसानों की समस्याओं को किसी ने फांक कर देखा, तो वो वीर गुर्जर विजय सिंह पथिक जी ही थे, जिनकी आंखों में हर वक्त मजबूर किसानों की तंगहाली दिखती थी, मजदूरों के शोषण और अन्याय को दूर करने की जददों जहद में हर वक्त तल्लीन रहते थे भूप सिंह गुर्जर जी। पथिक जी का स्वप्न था कि भारत को शोषण, अन्याय मुक्त बनाना है, वो भी तत्कालीन परिस्थितियों में जबकि आम जनमानस का जीवन अंग्रेजो के हाथों जकडा हुआ था, उनका अथक प्रयास जारी था। महात्मा गांधी के किसान आन्दोलनों से बहुत पहले आपने देश में पहला विशाल किसान आन्दोलन 'बिजौलिया आन्दोलन' के रूप में खडा किया। जिसका उददेश्य मजबूती से किसान के शोषण और अन्याय के विरूद्ध अलख जगाना था। सन 1912 में राजधानी परिवर्तन और हार्डिंग पर बम काण्ड की गतिविधियों में रास बिहारी बोस, जोरावर सिंह, प्रताप सिंह, के साथ पथिक जी का भी नाम शामिल था जिससे अंग्रेजों से बचने में सफल हुए और फरार हो गए। पथिक जी रास बिहारी बोस के नेतृत्व में 1857 की तर्ज पर एक बडा आन्दोलन तैयार करना चाहते थे, जिसमें अंग्रेजों को उकसाने और राजाओं को अपनी तरफ विद्रोह में शामिल करना था, पथिक जी को राजस्थान का नेतृत्व संभालना था। लेकिन पथिक जी फिरोजपुर षडयन्त्र में अंग्रेजों की आंखों में पहले से चुभ रहे थे, जिसके लिए उन्हें भूमिगत होना पडा। यकीनन हवाओं का रूख दूसरी ओर था, लेकिन पथिक जी का हौसला सदैव बुलन्द रहा, इसलिए अंग्रेजो से छुपते-छुपाते अपनी तैयारियों में कभी कमी नहीं होने दी। आगे जाकर लाहौर केस में भी उनका नाम उछला, तब भी वीर गुर्जर अंग्रेजों की आंखों में धूल झोकने में सफल रहे। ब्रिटिश हुकूमत से बचने के लिए उन्होंने राजस्थानी राजपूतों सा वेश धारण किया एवं चित्तौडगढ़ में रहने लगे। बिजौलिया से आये एक साधु सीताराम दास से वे बहुत प्रभावित हुए और उनके कहने पर ही बिजौलिया आन्दोलन का नेतृत्व संभाला। बिजौलिया उदयपुर रियासत का एक छोटा सा हिस्सा था, जहां किसानों पर घोर अन्याय किया जा रहा था। शोषण और अन्याय से पीडित किसानो को तंगदस्ती में भी मोटी रकम हुकूमत को मालगुजारी के रूप में देनी पडती थी। बिजौलिया जाकर पथिक जी ने उन किसानों की हालत देखकर उन्हें इस अन्याय से मुक्ति का प्रण लेकर सन् 1916 में आन्दोलन का नेतृत्व अपने हाथों में लिया और इतिहास को एक मजबूत आन्दोलनों की राह भी दिखाई। किसानों का आर्थिक शोषण इस हद तक था कि उनसे 84 प्रकार के कर वसूल किए जाते थे, युद्धकोष कर, साहूकारों का शोषण जैसी समस्याओं के कारण किसानों की कमर तोड कर रख दी थी। उन्होंने गांव-गांव में किसान पंचायत की कई शाखाऐं खोली। किसानों की भूमि सुधार मांग, अधिभारों एवं बेगार से सम्बन्धित मुददों को समाज और सरकार के समक्ष रखने का सफल प्रयास किया। जमीन से जुडे इस जननायक के प्रयासो का परिणाम था, कि पंचायत ने भूमि कर न देने का निर्णय लिया। यह वह दौर था जब विश्व में रूसी क्रान्ति 1917 की खूब चर्चाऐं हो रही थी, समाज को साधने के महारथी जननायक पथिक जी ने आम-जनमानस को इस क्रान्ति से प्रेरित करके भारत में किसानों की शोषण से आजादी का बिगुल फूंका। जिसकी चर्चाऐं गणेश शंकर विद्यार्थी ने अपने अखबार 'प्रताप' में जोर-शोर से की हैं। पथिक जी ने किसानों के दर्द को बम्बई जाकर महात्मा गांधी को बतायी। गांधी जी ने वचन दिया कि यदि मेवाड की सरकार किसानों का दर्द दूर नहीं करती तो वे स्वयं बिजौलिया आन्दोलन का नेतृत्व संभालेंगे। गांधी जी ने महाराणा को पत्र भी लिखा, लेकिन कोई समाधान न निकला। पथिक जी जननायक थे! उन्होंने जनता की बात, जनता के साथ रखने का निश्चय किया। तत्पश्चात वर्धा से राजस्थान केसरी नामक पत्र निकाला जो कि जनता में बहुत लोकप्रिय हो गया, लेकिन उनकी विचारधारा जमनालाल बजाज से मेल न खाई और वे वर्धा छोडकर अजमेर आ गए। जनता के नायक अपनी कोशिशों में धार लाने के लिए सन् 1920 में अजमेर में ही राजस्थान सेवा संघ की स्थापना की, ताकि लोगों से जुडाव और भी ज्यादा हो सके। देखते ही देखते इस संस्था ने पूरे प्रदेश में अपनी शाखाऐं प्रसारित कर ली, और कई जनआन्दोलन का नेतृत्व किया। आगे चलकर अजमेर से पथिक जी का एक नया पत्र नवीन राजस्थान प्रकाशित हुआ। दिनों-दिन पथिक जी के प्रयासों से आन्दोलनों एवं सत्याग्रहों के माध्यम से किसानों की समस्याओं ने खूब जोर पकडा, जिसमें देशी राजाओं की निरंकुशता पर अंकुश लगाने का उन्होने पुरजोर प्रयास किया। सन् 1921 आते-आते उन्होंने राजस्थान सेवा संघ के माध्यम से बेगू, पारसोली, भिन्डर, बासी और उदयपुर के कई स्थानों में आन्दोलन का शंख बजाया। उत्तरप्रदेश में जन्में इस वीर ने राजस्थान के किसानों की जिम्मेदारी बडे शौक से निभायी, देखते ही देखते देश के कई हिस्सों में बिजौलिया आन्दोलन एक किसान शक्ति का सिंबल बन गया। पथिक जी ने जो स्वप्न किसानों की आखों में 1917 की रूस की क्रान्ति से देखा था, वह अब देश के कई हिस्सों में प्रेरणा का स्त्रोत बनने लगा। ब्रिटिश हुकूमत की रातों की नींद उडना आरम्भ हो गयी। सरकार की दहशत इस हद तक बडी की उसने राजस्थान के ए.जी.जी. हालैण्ड को बिजौलिया किसान पंचायत बोर्ड और राजस्थान सेवा संघ से बातचीत करने के लिए नियुक्त किया। पथिक जी के परिश्रम के आगे ब्रिटिश हुकूमत ने धुटने टेकना आरम्भ कर दिया। उन्होंने एक प्रस्ताव की पेशकश की जिसमें किसानों की कई परेशानियां हल होती थी। अतः दोनों पक्षों के मध्य समझौता हो गया, किसानों की चैरासी में से पैंतीस लागतें माफ़ कर दी गई।

मोदी की कथनी और करनी में गजब की समानता

(लेखक-सुरेश हिन्दुस्थानी)

जब कोई व्यक्ति पूरी ईमानदारी के साथ अपने कर्म पथ पर अग्रसर होता है तो विश्व समुदाय उसका अनुगामी हो जाता है। इस दायरे में भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रखा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। ऐसा लगता है कि स्वतंत्रता के पश्चात देश में ऐसी पहली सरकार बनी है, जिस पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है, इसके विपरीत इसके पूर्ववर्ती सरकार के दामन पर भ्रष्टाचार के अनेक दाग लगे। भारत की जनता ने इस बात की उम्मीद ही छोड़ दी थी कि अब भारत में भ्रष्टाचार कभी समाप्त होगा, लेकिन वर्तमान केन्द्र सरकार ने इस धारणा को पूरी तरह से बदलकर रख दिया। वास्तव में प्रधानमंत्री मोदी एक ऐसी बड़ी लकीर खींचने का अहर्निश साहस दिखा रहे हैं, जिसकी देश को दशकों से आवश्यकता थी। वर्षों तक विदेशों के समकक्ष दायित्व वालों के पीछे रहने वाला भारत आज उनके साथ गौरव के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। जो कहीं न कहीं भारत की शक्ति को प्रकट कर रहा है। अभी हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि मैं पत्थर पर लकीर खींचता हूं, मक्खन पर नहीं। यह पंक्ति भले ही एक कहावत के तौर पर प्रचलित है, लेकिन इसके भावार्थ बहुत ही गहरे हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने जो कार्य किए हैं, वह आज मील के पत्थर के तौर पर स्थापित हुए हैं। वह चाहे तीन तलाक का मामला हो या फिर जम्मू-कश्मीर से धारा 370 के हटाने का मामला ही क्यों न हो, राजनीतिक दलों ने देश का जनमानस ऐसा बना दिया था कि इसके बारे में बात करने से भी पसीने छूट जाते थे। इतना ही नहीं जो राजनीतिक दल इसका राजनीतिक और आर्थिक लाभ उठा रहे थे, उन्होंने भी देश में इस प्रकार का डर का वातावरण पैदा किया कि धारा 370 को हटाने के बाद देश में गृह युद्ध के हालात पैदा हो सकते हैं, लेकिन यह केवल बातें ही सिद्ध हुईं। कौन नहीं जानता कि जम्मू कश्मीर में राजनीति करने वाले फारुक अबदुल्ला और मेहबूबा मुफ्ती ने किस प्रकार की भाषा बोली। उनकी वाणी से हमेशा यही प्रतीत होता था कि वह पाकिस्तान परस्त भाषा बोल रहे हैं। उन्होंने कहा था कि कश्मीर में तिरंगा उठाने वाला कोई नहीं मिलेगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि तिरंगा कोई सामान्य कपड़ा नहीं है, जिसको उठाने की आवश्यकता हो। तिरंगा तो इस देश की आन बान और शान का प्रतीक है। इसके बारे में इस प्रकार की धारणा रखना, निश्चित ही देश भाव के साथ मजाक ही है। इस प्रकार भाषा पाकिस्तान के किसी व्यक्ति द्वारा बोली जाती तो समझ में आता है, लेकिन हमारे भारत के मुकुटमणि के बारे में ऐसा बोलना निश्चित ही देशद्रोहिता ही कही जाएगी। अब जम्मू कश्मीर में सुखद बयार की अनुभूति कराने वाला दृश्य एपस्थित हो रहा है। जो मोदी सरकार की एक बड़ी लकीर के रूप में प्रमाणित हो रहा है। इसी प्रकार लम्बे समय से निर्णय की प्रतीक्षा करते हुए राम मंदिर का मामला भी मोदी जी के कार्यकाल में सुखद परिणाम देने वाला रहा। वास्तविकता में इस मामले का हल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निकाला गया, लेकिन इसका श्रेय मोदी सरकार के कार्यकाल को ही दिया जा सकता है। यह सारे मामले वास्तव में पत्थर पर लकीर खींचने जैसे ही कहे जा सकते हैं। इसी कारण देश की जनता उनके इन साहसिक निर्णयों के साथ जुड़ती जा रही है। जबकि विपक्षी राजनीतिक दलों की कार्य संस्कृति के चलते जनता इतनी दूर हो गई है कि उनको अपने भविष्य को बचाने के लिए राजनीतिक चिंतन और मंथन की आवश्यकता होने लगी है। हम जानते हैं कि अभी हाल ही में कांग्रेस ने सत्ता पाने की चाह में राजस्थान के उदयपुर में चिंतन किया, जो वास्तव में ढाक के तीन पात वाला ही सिद्ध हुआ। यह वास्तविकता ही है कि कांग्रेस ने जिस प्रकार से मुस्लिम और ईसाई तुष्टिकरण का कार्य किया, उसके कारण निश्चित ही देश का राष्ट्रीय भाव के साथ विचार करने वाला बहुसंख्यक समाज उससे दूर होता चला गया। जबकि प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में सबका साथ और सबका विकास वाली अवधारणा ही दिखाई देती है। अब तो केन्द्र सरकार ने अंत्योदय की अवधारणा पर कदम बढ़ाते हुए सबका विश्वास अर्जित करने का साहसिक प्रयास करने की ओर कदम बढ़ा दिया है, जिसके परिणाम भी अच्छे आएंगे, यह पूरा विश्वास भी है। आज देश के विपक्षी राजनीतिक दल मोदी सरकार की कार्यशैली से इसलिए भी भयभीत से दिखाई देते हैं, क्योंकि दोनों की कार्यशैली में जमीन आसमान का अंतर है। जहां एक ओर देश की जनता मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा को पसंद कर रही है, वहीं कांग्रेस की भाषा को सुनकर दूर होती जा रही है। आज कांग्रेस की जो स्थिति दिखाई देती है, उसके लिए मोदी जिम्मेदार नहीं, बल्कि स्वयं कांग्रेस ही जिम्मेदार है, क्योंकि देश की जनता कांग्रेस के कार्यों से त्रस्त हो चुकी थी, तब जनता को साहस के साथ निर्णय लेने वाला दमदार नेतृत्व लेने वाले नायक की आवश्यकता महसूस हो रही थी, मोदी में यह सब दिखाई दिया। और जनता ने देश की बागडोर मोदी के हाथ में सौंप दी। मोदी ने अवसर पाकर ऐसे निर्णय लिए जो भाजपा के मुख्य केन्द्र बिन्दु थे। और इसी के आधार पर देश की जनता से वोट भी मांगे थे। एक बात और... देश के संपन्न मुसलमान और तुष्टिकरण करने वाले राजनीतिक दल गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले मुसलमानों को गुमराह करके भाजपा से डराने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन यह प्रामाणिक तौर पर कहा जा सकता है कि केन्द्र सरकार योजनाओं का लाभ उन मुसलमानों को भी मिला है, जो इसके लिए पात्र हैं। इसलिए वह भी यह समझने लगे हैं कि भाजपा की सरकार बिना पक्षपात के कार्य करती है। वास्तव में मोदी की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। मोदी किसी को छोटा नहीं करते, बल्कि अपने कार्यों के माध्यम से पत्थर पर ऐसी लकीर स्थापित करते हैं, जो देश के समाज को आगे बढ़ने के लिए मार्ग बनाए।

सू-दोकू नवताल -2128

1	3			2			6	
	5		7	1			9	3
9		4	6		5			7
	2		3			9	1	
4								5
	7	9			4		8	
2			9		3	7		1
5	1			7	6		4	
	9		5	4			3	6

सू-दोकू -2127 का हल

6	8	9	2	4	5	1	3	7
5	2	4	7	1	3	6	9	8
7	1	3	8	6	9	2	5	4
3	9	8	1	2	7	5	4	6
4	5	7	9	8	6	3	1	2
1	6	2	3	5	4	7	8	9
9	4	6	5	3	2	8	7	1
2	3	1	4	7	8	9	6	5
8	7	5	6	9	1	4	2	3

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2128

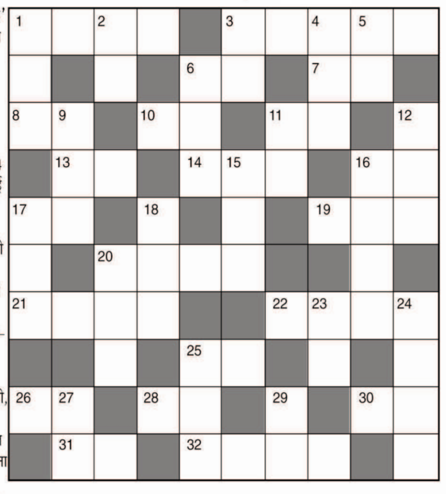

बायें से दायें:-

1. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-2,2
3. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-5
6. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-2
7. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-2
8. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-2
10. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-2
11. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-2
14. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-3
16. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-2
17. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-3
20. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-4
21. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-4
22. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-4
25. अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-2
26. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-2
28. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-2
30. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-2
31. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-2
32. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-3
2. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-2
3. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-2
4. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-3
5. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-2
6. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-3
9. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-3
11. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-2
12. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-3
15. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-1,2
16. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-4
17. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-3
18. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-3
20. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-3
23. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-2
24. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-2,2
25. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-3
27. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-2
29. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2127

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झौ	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़ा
	त	ला	श		ई		रि	हा	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		रा	जू		गी	ता	बा	ली

लकड़ी कैसे पचा लेती है दीमक?

पेड़-पौधों में पाया जाने वाला सेलुलोज ही दीमक का भोजन होता है। इसलिए वे तमाम चीजें दीमक का भोजन होती हैं जिनमें सेलुलोज होता है। बहुत सी सूखी लकड़ी पर तुमने दीमक का घर बना देखा होगा। लकड़ियों के बने फर्नीचर, कॉपी-किताबों जैसी बहुत सी चीजों को दीमक चट कर जाती है और फिर वह सामान किसी काम का नहीं रह जाता। दीमक जो सेलुलोज भोजन के रूप में प्राप्त करती है उसे पचा पाने की क्षमता उसमें नहीं होती है। इसे पचाने के लिए दीमक को दूसरे जीव की मदद लेना पड़ती है। ये दूसरे जीव प्रोटोजोआ कहलाते हैं, जो दीमक की आँतों में रहते हैं। दोनों के बीच सहभागिता का रिश्ता होता है। दीमक लकड़ी को चबाकर निगल जाती है और आँतों में रहने वाले प्रोटॅजोअंस इस लकड़ी की लुगदी को भोजन में बदल देते हैं। इस भोजन से ही दोनों जीव अपना जीवन चलाते हैं। दीमक पर्यावरण में सफाईगार की भूमिका निभाती है पर कई बार यह कीमती सामान को खराब करके नुकसानदायक भी साबित होती है। दीमक समूह में रहती है और भोजन तलाशने में एक-दूसरे की मदद भी करती है। ये चींटियों से मिलती-जुलती लगती हैं। इसलिए इन्हें 'व्हाइट एंट' भी कहा जाता है। आकार के अलावा चींटियों से इनकी कोई समानता नहीं होती।

जानो स्पेस सूट के बारे में

बच्चो, आप लोगों ने सुनीता विलियम्स के बारे में जरूर सुना होगा। सुनीता विलियम्स ने अंतरिक्ष में छह महीने तक रहने और सबसे लंबी स्पेस वॉक करने का रिकार्ड बनाया है। आप ने टेलीविजन चैनल और समाचार-पत्रों में सुनीता विलियम्स और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों की तस्वीरें देखी होंगी। आपने देखा होगा अंतरिक्ष यात्री हमेशा एक खास तरह की ड्रेस पहनते हैं। एक मोटा सा सूट और उस पर हैलमेट और ऑक्सीजन मास्क भी लगा रहता है। अंतरिक्ष में जाने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों को यहीं सूट पहनना पड़ता हैं। इसे स्पेस सूट कहते है। इस स्पेस सूट को पहने बगैर अंतरिक्ष में रहना संभव नहीं होता है। स्पेस सूट की वजह से ही अंतरिक्ष के प्रतिकूल माहौल में अंतरिक्ष यात्री जीवित रह पाते हैं। इस स्पेस सूट को तैयार करने के लिए भी वैज्ञानिकों ने बहुत मेहनत और शोध किया हैं। यह सूट उस कपड़े से नहीं बना होता है, जिसे हम और आप पहनते हैं। नासा के वैज्ञानिक अंतरिक्ष की स्थितियों का आँकलन करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इस सूट को तैयार करते हैं। 'हार्ड अपर टोर्सो' नामक पदार्थ का इस्तेमाल करते हुए अंतरिक्ष यात्रियों के सूट तैयार किये जाते हैं। इस सूट को पहनने के बाद हमारे शरीर का तापमान और बाहरी वातावरण से शरीर पर पड़ने वाला दबाव नियंत्रित रहता है। इसके साथ ही यह सूट इस तरह से बनाया जाता है कि यह अंतरिक्ष में मौजूद हानिकारक किरणों से हमारे शरीर को बचाने के लिए कवच का काम करे। इस सूट के अंदर ही एक लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम होता है, जिससे अंतरिक्ष यात्रियों को शुद्ध ऑक्सीजन प्राप्त होती है। इस सूट के अंदर गैस और द्रव पदार्थो को रीचार्ज और डिस्चार्ज करने की व्यवस्था भी होती है। इस सूट में ही अंतरिक्ष यात्री वहाँ से एकत्रित किये गए, ठोस कणों को सुरक्षित रख सकते हैं।

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते हैं?

ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होने के बावजूद उड़ते नहीं हैं। कहते हैं आज से ६५0 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे और धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे। लाखों सालों पहले पैंगुइन की हड्डियाँ पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं और वे उड़ पाते थे, पर समय के साथ उनकी हड्डियाँ भारी हो गईं और वजन बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। हालाँकि इन्हीं हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

समुद्र में पायी जाने वाली विचित्र मछलियां

धरती के 70 प्रतिशत भाग में फैला हुआ सागर पृथ्वी की जलवायु को संतुलित रखने, भोजन और ऑक्सीजन प्रदान करने, जैव विविधता बनाये रखने और परिवहन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के मतानुसार धरती पर प्रारंभिक जीवन सागर से ही प्रारम्भ हुआ था और चरणबद्ध विकास के फलस्वरूप यह धरती पर भी पनपने लगा और वर्तमान में उपलब्ध जैव विविधताओं का कारण बना।

वाइपर फिश

बेहद गहरे पानी और उच्च दबाव वाले क्षेत्र में रहने वाली यह मछली देखने में काफी डरावनी लगती है। बेहद कठिन परिस्थितियों में रहने के कारण यह बहुत कम खाने पर भी लम्बे समय तक जिन्दा रह सकती है। इसके पास से गुजरने वाले किसी भी शिकार का इसके नुकीले दांतों से बचना नामुमकिन ही है।

सिलिकेन्थ

प्रागैतिहासिक युग के प्राणियों के सामान दिखने वाली यह मछली एक जीवित जीवाश्म ही है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह ७ करोड़ वर्ष पहले मिलने वाली मछलियों की संरचना से काफी मिलती है।

इलेक्ट्रिक ईल

समुद्र में पायी जाने वाली यह ईल प्रजाति की मछली आकार में २ मीटर तक लम्बी और २0 किलो तक वजनी हो सकती है। यह ६00 वोल्ट का तेज विद्युतीय झटका दे सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अपने विद्युत का इस्तेमाल रास्ता खोजने में भी कर सकती है।

मिस्ट्री शार्क

दुनिया के सबसे गहरे समुद्री क्षेत्र के रूप में विख्यात मरियाना ट्रेंच में पाई जाने वाली यह अत्यंत दुर्लभ शार्क की तस्वीर है। यह एक प्रागैतिहासिक जीव है जिसे सबसे पहले जापानी वैज्ञानिकों ने देखे जाने का दावा किया था।

स्टोनफिश

हिन्द महासागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर में पाई जाने वाली यह मछली एकदम पत्थर की तरह समुद्र की सतह पर निष्क्रिय पड़ी रहती है। जैसे ही कोई शिकार इसके पास आता है यह झपटकर उसे पकड़ लेती है। यह एक जहरीली मछली है और इसका शिकार हृदयाघात से बेहद दर्दनाक मौत मरता है।

स्टार गैजेर्स

यह समुद्र में पायी जाने वाली एक जहरीली मछली है। यह खुद को रेत में अच्छी तरह छुपा लेती है और जैसे ही शिकार इसके पास आता है तेजी से झपट्टा मारकर उसे पकड़ लेती है। अन्य मछलियों के विपरीत इसकी ऑंखें सामने की ओर होती हैं।

पफर फिश

पफर फिश अपने नाम के अनुसार खतरा महसूस होने पर ढेर सारा पानी अपने लचीले पेट में भरकर अपना आकार बढ़ा लेती है जिससे शिकार कंफ्यूज हो जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलती है। यह भी एक जहरीली मछली है।

फ्रिल्ड शार्क

बहुत गहरे पानी में पायी जाने वाली यह शार्क की अत्यंत दुर्लभ प्रजाति है जिसे देखने मात्र से ही भय उत्पन्न होता है। यह पत्थर की बनी हुई दिखती है और एक जीवित जीवाश्म है।

वैम्पायर स्क्विड

यह गहरे पानी में पाया जाने वाला एक प्रकार का स्क्विड ही है जिसने अपने आप को गहरे पानी के अनुकूल ढाल लिया है। यह अँधेरे में बल्ब के सामान चमकीली संरचनाओं से प्रकाश उत्पन्न करता है। खतरा महसूस होने की स्थिति में यह चमकीली स्याही छोड़ता है जिससे शिकारी चौंक जाता है और यह मौके का लाभ उठाकर बच निकलता है।

बिगफिन स्क्विड

स्क्विड प्रजाति से सम्बन्ध रखने वाला यह जीव गहरे पानी में पाया जाता है। यह स्क्विड आकार में १६ फीट तक लम्बा हो सकता है।

मड स्किपर

यह ऐसे समुद्र तटीय क्षेत्रों में रहती है जहाँ ज्वार और भाटा निरंतर आता रहता है। यह खारे पानी और जमीन दोनों पर रह सकती है। यह एम्फीबियन प्रजाति की तरह ही त्वचा से साँस ले सकती है।

एंगलर फिश

लगभग सभी महासागरों में पाई जाने वाली यह मछली आकार में १ मीटर तक लम्बी हो सकती है। इसके सर पर चारे के सामान संरचना होती है जिसे यह जब हिलाती है तो जीवन के लिए संघर्ष करते हुए चारे के सामान प्रतीत होता है जिससे दूसरी मछलियां आकर्षित होती हैं और इसका आसान शिकार बन जाती हैं।

हैमर हेड शार्क

देखने में किसी दूसरी दुनिया के जीव सी लगने वाली यह शार्क सामान्य रूप से दुनिया भर के महासागरों में पाई जाती है। इसकी ऑंखें शरीर से बहुत दूर होती हैं जो इसे ज्यादा क्षेत्र तक देखने में सक्षम बनाती हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित स्मारक माउंट रशमोर

माउंट रशमोर अमेरिका में राष्ट्रपतियों की याद को समर्पित एक स्मारक है। यह 60 फुट या 18 मीटर लंबी रचना है जिसमें भूतपूर्व राष्ट्रपतियों जार्ज वाशिंगटन, थॉमस जैफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन को अंकित किया गया है।

यह स्मारक 1,278 एकड़ में फैला हुआ है। इसकी देखरेख नेशनल पार्क सेवा द्वारा की जाती है जो संयुक्त राज्य अमेरिका के आंतरिकी विभाग का ब्यूरो है। इस स्मारक को वर्ष में लगभग 2 मिलियन लोग देखने आते हैं। पर्वत पर बनाए गए इस स्मारक को लकोटा सिउक्स भी कहा जाता है क्योंकि इसमें छह राष्ट्रपतियों मूर्तियाँ उकेरी गई हैं। बाद में इसका नाम न्यूयार्क के एक जाने-माने वकील चार्ल्स ई रशमोर के नाम पर रखा गया। असल में रशमोर पर्वत में इस तरह की कलाकृति उकेरने का उद्देश्य दक्षिणी डकोटा की ब्लैक हिल्स में पर्यटकों का आकर्षण बढ़ाना था। काँग्रेस के प्रतिनिधि मंडल और राष्ट्रपति केल्विन कूलिज के बीच लंबे समझौते के बाद यह प्रोजेक्ट प्रारंभ हो पाया। मूर्तिकार गुट्ज़न बोर्गलम के निर्देशन में 1927 में काम शुरु हुआ और 1941 में बनकर तैयार हुआ।

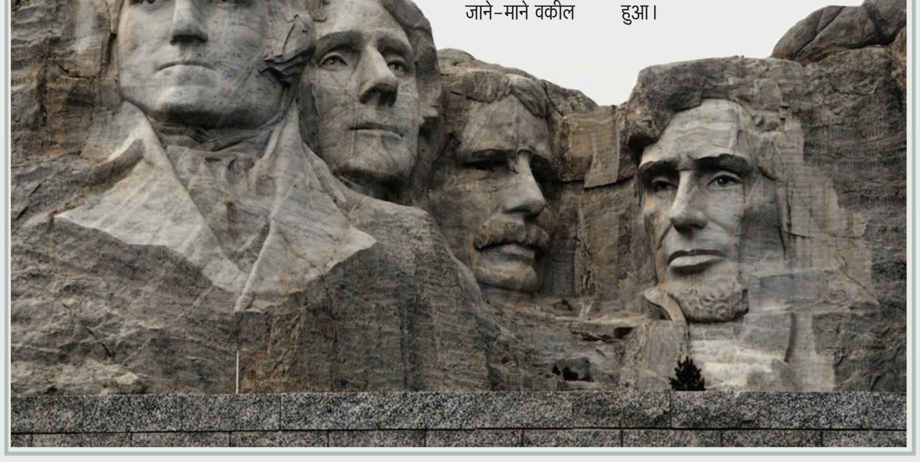

दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी जाइंट एंटइटर

इस घने बाल वाले प्राणी को एंट बियर भी कहते हैं। यह अपनी लंबी थूथन से कीटों को खाता है। इसकी सूंघने की शक्ति मनुष्य से 40 गुना अधिक होती है। यह अपनी जीभ को 18 इंच तक तेजी से बाहर निकाल सकता है। जाइंट एंटइटर दक्षिण व मध्य अमेरिका में पाया जाने वाला एक स्तनधारी प्राणी है जो अपने विचित्र मुख-आकार, थूथन और अपनी पतली व लम्बी जीभ से केवल चींटी, दीमक और अन्य छोटे कीट खाने के लिये प्रसिद्ध है। चींटीखोरों की चार जातियाँ पाई जाती हैं: सिर-से-पूँछ तक १.८ मी (५ फुट ११ इंच) लम्बा विशाल चींटीखोर, केवल ३५ सेमी (१४ इंच) लम्बा रेशमी चींटीखोर, १.२ मी (३ फुट ११ इंच) लम्बा उत्तरी तामान्दुआ और लगभग उतना ही लम्बा दक्षिणी तामान्दुआ। चींटीखोर पिलोसा नामक जीववैज्ञानिक गण में शामिल हैं जिसमें स्लॉथ भी आते हैं, यानि स्लॉथों और चींटीखोरों का आनुवंशिक (जेनेटिक) सम्बन्ध है।

वॉल मैगजीन

गर्मी की छुट्टियां खत्म हो गई थीं। सभी बच्चों के स्कूल खुल गए थे। सरगुन आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। एक दिन असेम्बली में स्कूल की प्रिंसिपल स्वाति कपूर बोलीं, 'बच्चो, तुम सबके लिए एक बहुत अच्छी खबर है। तुम सभी ने गर्मी की छुट्टियों में बहुत कुछ नया सीखा होगा। तुम सब अपने माता-पिता के साथ घूमने भी गए होंगे। मैं चाहती हूं कि तुम सब अपने अनुभवों पर आधारित एक प्रोजेक्ट बनाकर जमा करो और जिसका प्रोजेक्ट सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे इनाम दिया जाएगा।' यह सुनकर सभी बच्चे खुशी से उछल पड़े।

प्रिंसिपल ने बच्चों को सिर्फ एक सप्ताह का समय दिया था। सभी बच्चे अपने-अपने तरीके से प्रोजेक्ट बनाने की तैयारियों में जुट गए।

अचानक सरगुन की क्लास की सबसे चंचल और सुंदर लड़की गौरी बोली, 'हम सब तो कुछ न कुछ नया कर ही लेंगे, पर बेचारी सरगुन कैसे करेगी? इसके दाएं हाथ में तो केवल तीन.।' उसकी बात पूरी होती, उससे पहले ही सरगुन की बेस्ट फ्रेंड अर्निका बोली, 'गौरी, तुम्हें ऐसा नहीं बोलना चाहिए। देख लेना, सरगुन ही सबसे नई और उपयोगी वस्तु खोजेगी और तुम देखती रह जाओगी।' उसकी बात सुनकर गौरी ने मुंह चिढ़ा दिया और अपनी सीट पर बैठ गई ।

गौरी अक्सर सरगुन का मजाक उड़ाती थी। सरगुन के दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां थीं। उसकी दो उंगुलियां दो साल पहले एक एक्सीडेंट में बुरी तरह मसल गई थीं, इसलिए अब उसके दाएं हाथ में केवल तीन उंगलियां रह गई थीं। शुरुआत में सरगुन को अपना काम करने में थोड़ी परेशानी हुई, लेकिन फिर धीरे-धीरे उसे आदत पड़ गई। अब तो उसे ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि उसकी दो उंगलियां नहीं हैं। सभी बच्चे अपना-अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगे हुए थे।

प्रिंसिपल ने बच्चों को ग्रुप में प्रोजेक्ट बनाने की अनुमति दे दी थी, इसलिए सरगुन, अर्निका और कुछ अन्य छात्रों के साथ अपना प्रोजेक्ट बनाने में लगी हुई थी। किसी ने भी अपने प्रोजेक्ट की खबर किसी को नहीं होने दी थी। प्रोजेक्ट जमा कराने से एक दिन पहले सभी बच्चे इस बात को लेकर आश्वस्त थे कि उनका प्रोजेक्ट ही बेस्ट होगा। अगले दिन अचानक तेज बारिश होने लगी। सभी बच्चे स्कूल बड़ी मुश्किलों से अपने-अपने प्रोजेक्ट लेकर पहुंचे। स्कूल पहुंचकर सभी ने अपने-अपने प्रोजेक्ट निकाले। गौरी ने अपने सुंदर चित्रों से तैयार किए गए प्रोजेक्ट को निकाला तो यह देखकर उसके होश उड़ गए कि सारे चित्रों में न जाने कैसे पानी की बूंदें पड़ गई थीं। केवल दो-तीन चित्र ही साफ बचे थे, बाकी सभी में बड़े-बड़े धब्बे बन गए थे। यह देखकर गौरी खुद पर काबू नहीं रख पाई और रोने लगी। उसके रोने पर किसी का ध्यान नहीं गया। सभी अपने प्रोजेक्ट को सजाने-संवारने में जुटे थे।

अचानक सरगुन ने उसके कंधे पर हाथ रखा और बोली, 'गौरी, तुम्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। तुम मेरे ग्रुप में शामिल हो जाओ । इससे तुम्हारे मार्क्स नहीं कटेंगे।' यह सुनकर गौरी को थोड़ी सांत्वना मिली। उसने अपने साफ चित्र सरगुन को देते हुए कहा, 'मेरे पास तो केवल ये हैं, तुम इन्हें अपने प्रोजेक्ट में कहीं प्रयोग कर सको तो अच्छा होगा।' सरगुन बोली, 'बिल्कुल गौरी, तुम्हारे चित्र मेरे प्रोजेक्ट को और सुंदर बना देंगे।' इसके बाद गौरी सरगुन के ग्रुप में शामिल हो गई। सभी बच्चों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट जमा करा दिए।

आखिर परिणाम का दिन भी आ गया। सभी बच्चे असेम्बली में खड़े हुए थे और बेसब्री से परिणाम का इंतजार कर रहे थे। अचानक मंच पर प्रिंसिपल आईं और बोलीं, 'सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रोजेक्ट बनाए हैं। लेकिन पुरस्कार तो किसी एक को ही दिया जाना था, इसलिए इस बार आठवीं कक्षा के प्रोजेक्ट 'वॉल मैगजीन' को पुरस्कार के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट की ग्रुप हेड सरगुन है और उसके ग्रुप में अर्निका, गौरी, काव्या, तन्मय व गौरांश शामिल हैं। इस मैगजीन में सामान्य ज्ञान की बातों के साथ ही कहानी, कविता, चित्रों, पहेलियों, चुटकुलों और अन्य मनोरंजक जानकारियों को भी नए तरीके से पेश किया गया है। हमने निर्णय लिया है कि स्कूल की पत्रिका में इस सामग्री को डाला जाएगा और इन सभी बच्चों को उसके सम्पादन मंडल में शामिल किया जाएगा।' यह सुनकर सरगुन के साथ ही पूरा ग्रुप उछल पड़ा। इस समय सबसे भावुक गौरी थी। वह तुरंत उठकर सरगुन के पास गई और उसके गले लगते हुए बोली, 'सरगुन, अगर तुम मेरी मदद नहीं करतीं तो मैं मदद का मूल्य कैसे जान पाती? अब मैं कभी भी किसी का मजाक नहीं उड़ाऊंगी, हर किसी की मदद करूंगी।' सरगुन गौरी के हाथ में हाथ डालकर बोली, 'गौरी अभी तो स्कूल मैगजीन को ऊंचाइयों पर ले जाना है और तुम्हारे बनाए सुंदर चित्रों के बिना यह मुश्किल है।' इसके बाद पूरा ग्रुप एकसाथ अपनी जीत की खुशी मनाने लगा ।

केंद्र ने पीएम-कुसुम योजना की फर्जी वेबसाइट को लेकर किया आगाह

नई दिल्ली । नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने पीएम-कुसुम योजना के नाम पर संचालित की जा रही फर्जी वेबसाइट को लेकर लोगों को सजग करते हुए उन्हें किसी भी गैर-सत्यापित लिंक को क्लिक नहीं करने की सलाह दी है। एमएनआरई प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना को क्रियान्वित कर रहा है। इस योजना में सौर पंप लगाने और कृषि कार्यों के लिए लगे पंप को सौर ऊर्जा मुहैया कराने के लिए सब्सिडी दी जाती है।मंत्रालय ने कहा कि पीएम-कुसुम योजना के तहत पंजीकरण करने का दावा करने वाली कुछ फर्जी वेबसाइट संचालित होने की जानकारी सामने आई है। ये फर्जी वेबसाइट योजना से लाभ पाने की इच्छा रखने वाले लोगों से पैसे इकट्ठा करने में लगी हुई हैं। मंत्रालय ने लोगों को आगाह करते हुए कहा है कि व्हाट्सऐप या एसएमएस के जरिये भेजे गए किसी भी पंजीकरण लिंक को क्लिक करने के पहले उसका सत्यापन जरूर करें। एमएनआरई ने पहले भी सार्वजनिक सूचना देकर लोगों से पंजीकरण शुल्क के नाम पर पैसे न जमा करने की सलाह दी थी। इस बारे में मिलीं शिकायतों के आधार पर संबद्ध पक्षों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई है। मंत्रालय ने कहा है कि पीएम-कुसुम योजना के तहत पात्रता की जांच और पूरी प्रक्रिया की जानकारी उसकी वेबसाइट एमएनआरई डॉट जीओवी डॉट आईएन से जुटाई जा सकती है।

आरबीआई ने कहा- डिजिटल करेंसी के फायदे और नुकसान पर विचार जारी

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि वह देश में एक डिजिटल मुद्रा की शुरुआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है। आरबीआई ने कहा कि वह डिजिटल मुद्रा की शुरुआत के लिए क्रमिक नजरिया अपनाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2022-23 का बजट पेश करते हुए कहा था कि केंद्रीय बैंक एक भारतीय डिजिटल मुद्रा की शुरुआत करेगा। आरबीआई ने हाल ही में जारी 2021-22 की अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि आम बजट 2022-23 में सीबीडीसी (केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा) की शुरुआत की घोषणा की गई थी। इसके तहत आरबीआई अधिनियम, 1934 में एक उपयुक्त संशोधन को वित्त विधेयक, 2022 में शामिल किया गया है वित्त विधेयक, 2022 को अधिनियमित किया गया है, जो सीबीडीसी की शुरुआत के लिए एक कानूनी ढांचा मुहैया कराता है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया' कि रिजर्व बैंक भारत में एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा की शुरुआत की तैयारी कर रहा है। सीबीडीसी के डिजाइन को मौद्रिक नीति, वित्तीय स्थिरता और मुद्रा तथा भुगतान प्रणालियों के कुशल संचालन के घोषित उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए।% इसमें आगे कहा गया कि रिजर्व बैंक भारत में सीबीडीसी की शुरुआत के फायदे और नुकसान पर विचार कर रहा है और इसे लाने के लिए एक क्रमिक नजरिया अपनाया जाएगा।

चीन की प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनों पर डंपिंग रोधी शुल्क नहीं लगेगा

नई दिल्ली । सरकार ने कहा है कि चीन की प्लास्टिक प्रसंस्करण मशीनों पर डम्पिंग रोधी शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन से इन मशीनों की कथित डंपिंग के खिलाफ जांच की थी और फरवरी में इन पर शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला राजस्व विभाग की तरफ से जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, केंद्र सरकार ने डीजीटीआर के अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के बाद सिफारिशों को स्वीकार नहीं करने का फैसला किया है। डीजीटीआर जहां आयात होने वाली वस्तुओं पर डम्पिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, वहीं राजस्व विभाग शुल्क लगाने को लेकर अंतिम निर्णय लेता है। इसके अलावा एक अन्य ज्ञापन में विभाग ने कहा कि सरकार ने यूरोपीय संघ, जापान, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से मेलामाइन के आयात पर भी डंपिंग रोधी शुल्क लगाने की सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया है। अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की भाषा में डंपिंग शुल्क तब लगाया जाता है जब कोई देश या कंपनी अपने घरेलू बाजार में किसी उत्पाद की कीमत से कम मूल्य पर किसी वस्तु का निर्यात करती है। इससे आयातक देश के घरेलू उद्योग को नुकसान का सामना करना पड़ता है।

निवेशकों ने ग्लोबल स्टॉक्स में 20 अरब डॉलर निवेश किए

मुंबई । अमेरिकी बाजारों में गिरावट की वजह से भारत सहित पूरे वैश्विक बाजार में उतार-चढ़ाव हावी है। अब अमेरिकी बाजारों से कुछ अच्छी खबर आ रही है। एक रिपोर्ट में बैंक ऑफ अमेरिका के हवाले से यह बात कही गई है। बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा है कि 25 मई को समाप्त सप्ताह में निवेशकों ने ग्लोबल स्टॉक्स में लगभग 20 अरब डॉलर निवेश किए हैं। यह पिछले 10 हफ्ते में सबसे ज्यादा है। ईपीएफआर ग्लोबल डेटा के हवाले से यह बात कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक बॉन्ड फंड से आउटफ्लो 5.8 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इसका असर ये रहा कि इस हफ्ते इक्विटी में सुधार दिखा। ग्लोबल स्टॉक्स सात हफ्तों की गिरावट के बाद बढ़त में देखने को मिले। वहीं मुद्रास्फीति, उच्च ब्याज दरों के बारे में चिंता, चीन के कमजोर आर्थिक दृष्टिकोण और यूक्रेन में युद्ध की चिंताओं के बीच निवेशक फिर से खरीदारी करते दिखे। फेडरल रिजर्व के मिनटों के सुझाव के बाद डॉलर एक महीने के निचले स्तर पर आ गया। बाजार के निवेश रणनीतिकारों का कहना है कि बाजार के आंकड़ों से संकेत मिलता है कि अमेरिकी बाजार में कमजोरी अब थमती नजर आ रही है। उन्होंने कहा कि फेड के मिनट्स के मुताबिक साल के अंत में रेट हाइक नहीं होंगे। यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत है। लिहाजा फेड का रुख बाजार के अनुमानों के मुताबिक थोड़ा कम सख्त होगा। वहीं भारतीय बाजारों में एफपीआई की बिकवाली से बाजारों में कमजोरी थमती दिख सकती है। हालांकि बाजार में बिकवाली में कमी आने के मुद्दे पर विशेषज्ञों के विचार अलग-अलग हैं। मॉर्गन स्टेनली और बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा कि आने वाले समय में बाजार में और गिरावट आ सकती है। वहीं ब्लैकरॉक ने कहा कि इस सप्ताह बिकवाली थम सकती है।

आरबीआई ने एमयूएफजी बैंक पर लगाया 45 लाख का जुर्माना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जापान के एमयूएफजी बैंक पर 45 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। आरबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक स्विफ्ट से संबंधित परिचालन नियंत्रण के समयबद्ध कार्यान्वयन और उसे मजबूत करने को लेकर जारी निर्देशों का अनुपालन नहीं करने की वजह से कार्रवाई की गई है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि जांच में यह पाया गया कि बैंक कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस)/अकाउंटिंग सिस्टम और स्विफ्ट (सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशन) मैसेजिंग सिस्टम के बीच स्ट्रेट थ्रू प्रोसेसिंग (एसटीपी) स्थापित करने में विफल रहा। गौरतलब है कि एमयूएफजी बैंक ने 1953 में अपनी शाखा मुंबई में खोली थी। इस बीच आरबीआई ने वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरबीआई के बही-खाते का आकार वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 8.46 प्रतिशत बढ़ गया। वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक 2021-22 में उसकी आय 20.14 प्रतिशत बढ़ी, जबकि खर्च 280.13 प्रतिशत बढ़ गया।

रेनो नई एसयूवी लाने की तैयारी में

-नेक्सॉन और क्रेटा से होगा मुकाबला

नई दिल्ली । कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में टक्कर देने के लिए जल्द ही रेनो भी अपनी नई एसयूवी लाने की तैयारी में है। रेनो काइगर के बाद अब कॉम्पैक्ट एसयूवी और मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में अपना नया प्रोडक्ट रेनो अरकाना लॉन्च कर सकती है। रेमो अरकाना की लंबे समय से भारत में टेस्टिंग हो रही है और आने वाले समय में इसे लॉन्च किए जाने की खबर आ रही है। माना जा रहा है कि यह एसयूवी भारत में कंपनी की पॉपुलर एसयूवी डस्टर को रिप्लेस कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रेनो अरकाना साइज में 4.5 मीटर लंबी, 1.8 मीटर चौड़ी और 1.5 मीटर ऊंची होगी। इस एसयूवी का व्हीलबेस 2731 एमएम का होगा और इसका ग्राउंड क्लियरेंस भी अच्छा होगा। इस एसयूवी का कूपे स्टाइल के साथ भी लॉन्च किया जा सकता है। यह एसयूवी स्टाइल और डिजाइन के मामले में काफी जबरदस्त हो सकती है। वहीं, लुक और फीचर्स की बात करें तो रेनो अरकाना के फ्रंट में डीआरएल के साथ ही स्टाइलिश टेललैंप देखने को मिलेंगे। बाद बाकी इंटीरियर और फीचर्स के बारे में आने वाले समय में पता चल सकता है।रेनो की अपकमिंग एसयूवी में बेहतरीन फीचर्स देखने को मिल सकते हैं, जिनमें वायरलेस चार्जिंग, 360 डिग्री कैमरा, बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, मल्टीपल एयरबैग्स समेत ढेर सारे स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिलेंगे। वहीं, इंजन और पावर की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें 1.3 लीटर पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि माइल्ड हाइब्रिड टेक्नोलॉजी से लैस होगा। रेनो अरकाना एसयूवी को मैनुअल के साथ ही ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन में पेश किया जाएगा। रेनो अरकाना को भारत में 10 लाख रुपये से ज्यादा कीमत के साथ लॉन्च किया जा सकता है। बता दें कि भारत में टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, ह्युंदै मोटर्स, महिंद्रा, किआ मोटर्स समेत अन्य कंपनियों की एसयूवी की खूब बिक्री हो रही है।

एलन मस्क बोले, आयातित कार बेचने की अनुमति नहीं, भारत में टेस्ला का नहीं लगेगा संयंत्र

नई दिल्ली । अमेरिका की प्रसिद्ध इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला के भारत में आगमन को लेकर अटकलें चल रही हैं। इस बीच, टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट नहीं लगाने का संकेत दिया है। उन्होंने ट्वीट किया कि जब तक कंपनी को पहली बार दक्षिण एशियाई देश में इंपोर्टेड कारों को बेचने और सर्विसिंग की अनुमति नहीं दी जाती है, तब तक वहां कार प्लांट स्थापित नहीं हो सकता है। इस संबंध में एक शख्स ने ट्विटर पर मस्क से टेस्ला की भारत में प्लांट लगाने की योजना पर सवाल किया था। अरबपति कारोबारी मस्क ने ट्विटर पर इस पोस्ट के जवाब में कहा, टेस्ला ऐसे किसी भी स्थान पर प्रोडक्शन प्लांट नहीं लगाएगी, जहां हमें पहले से कार बिक्री और कार सर्विसिंग की अनुमति नहीं है। यूजर ने यह पूछा था, टेस्ला के बारे में क्या? क्या टेस्ला भविष्य में भारत में प्लांट लगाएगी? एलन मस्क की इस प्रतिक्रिया से पता चलता है कि भारत और टेस्ला के बीच देश में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित करने पर अभी गतिरोध जारी है।

मस्क ने पिछले साल अगस्त में कहा था कि अगर टेस्ला इंपोर्टेड वाहनों के साथ पहली बार सफल होती है, तो वह भारत में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर सकती है। उन्होंने कहा था कि टेस्ला भारत में अपना व्हीकल लॉन्च करना चाहती है, लेकिन भारत में इंपोर्ट ड्यूटी दुनिया में किसी भी बड़े देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। वर्तमान में, भारत 40,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक लागत, बीमा और माल ढुलाई (सीआईएफ) मूल्य वाली पूरी तरह से इंपोर्टेड कारों पर 100 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी और इस अमाउंट से कम लागत वाली कारों पर 60 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाता है। रोड ट्रांसपोर्ट और हाईवे मिनिस्टर नितिन गडकरी ने पिछले महीने कहा था कि अगर टेस्ला भारत में अपने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का निर्माण करने के लिए तैयार है, तो कोई समस्या नहीं है, लेकिन कंपनी को चीन से कारों का इंपोर्ट नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर एलन मस्क भारत में निर्माण के लिए तैयार हैं तो कोई समस्या नहीं है। भारत आओ, निर्माण शुरू करो, भारत एक बड़ा बाजार है, वे भारत से एक्सपोर्ट कर सकते हैं।

एक शख्स ने मस्क से ट्विटर पर उनके प्रोजेक्ट स्टारलिंक को लेकर भी सवाल किया। उन्होंने कहा कि स्टारलिंक का मकसद तो तेज इंटरनेट पूरी दुनिया को मुहैया कराने का विजन बहुत ही शानदार है। उन्होंने मस्क से सवाल किया कि भारत में इसके इस्तेमाल को लेकर क्या अपडेट है। इसके जवाब में मस्क ने कहा कि वह अभी सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं।

ओला बनाएगी किफायती इलेक्ट्रिक कार! संयंत्र स्थापित करने कर रही भूमि की तलाश

नई दिल्ली । पेट्रोल-डीजल का आसमान छूती कीमतों के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद ओला इलेक्ट्रिक अब देश में अपनी दूसरी फैसिलिटी स्थापित करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु बेस्ड इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर कंपनी अब अपने इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बिजनेस पर फोकस करने जा रही है। कंपनी नए प्लांट के लिए जमीन की तलाश कर रही है, जहां वह ओला इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी साथ ही अपने ईवी के लिए बैटरी भी बनाएगी। इससे पहले ओला इलेक्ट्रिक के एक अधिकारी ने पुष्टि की थी कि आगामी इलेक्ट्रिक कार एक नई फ्यूचर फैक्ट्री में बनाई जाएगी। ओला इलेक्ट्रिक ने नए प्लांट के लिए लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। अब तक, ओला इलेक्ट्रिक अपने घरेलू आधार तमिलनाडु के अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना में राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। एक महीने के भीतर अंतिम फैसला होने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हो सकता है कि नई फैसिलिटी तमिलनाडु के अलावा किसी अन्य राज्य में भी खोली जा सकती है। ओला इलेक्ट्रिक कथित तौर पर नए प्लांट की जमीन के लिए कई राज्य सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। इसे ईवी फोर-व्हीलर फैक्ट्री के लिए लगभग 1,000 एकड़ जमीन की जरूरत है, जो फ्यूचर फैक्ट्री से लगभग दोगुनी है, जहां यह एस1 प्रो इलेक्ट्रिक स्कूटर बनाती है। ओला इलेक्ट्रिक ने तमिलनाडु के कृष्णगिरि में फ्यूचर फैक्ट्री की स्थापना की थी, जो दिसंबर 2020 से काम कर रही है। इसे दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी माना जाता है। ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले साल 15 दिसंबर से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी शुरू की थी। ईवी निर्माता अब भारत का प्रमुख दोपहिया निर्माता है, जिसकी हर महीने 10,000 से अधिक इकाइयां बिकती हैं। ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ और संस्थापक भाविश अग्रवाल ने इससे पहले इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर सेक्टर में कंपनी की योजना का खुलासा किया था। उन्होंने कॉन्सेप्ट इलेक्ट्रिक कार की फोटो भी शेयर की थी। शेयर की गई इमेज से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ओला इलेक्ट्रिक संभवतः पहले बैटरी इलेक्ट्रिक हैचबैक पर काम करेगी, जो कि एक किफायती ईवी हो सकती है। ओला फिलहाल अपकमिंग इलेक्ट्रिक व्हीकल के डिजाइन पर काम कर रहा है। इलेक्ट्रिक कार का अगले दो साल में उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.23 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मई को समाप्त सप्ताह में 4.23 अरब डॉलर बढ़कर 597.509 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार यह वृद्धि विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में हुई बढ़ोतरी के कारण हुई है। इससे पूर्व 13 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.676 अरब डॉलर घटकर 593.279 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि का कारण विदेशी मुद्रा आस्तियों में वृद्धि होना है जो कुल मुद्रा भंडार का एक महत्वपूर्ण घटक है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 3.825 अरब डॉलर बढ़कर 533.378 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 25.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 40.823 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.306 अरब डॉलर हो गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) लगातार दूसरे सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी रही

- सेंसेक्स 632 अंक उछलकर 54,884 पर बंद

- निफ्टी 182 अंक चढ़कर 16,352 पर बंद

मुंबई । बीते सप्ताह उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बीच भारतीय शेयर बाजार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहे। सप्ताह के शुरुआती तीन दिनों में दबाव रहने के बाद आखिरी दो दिनों में बाजार में तेजी लौटती दिखी और सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजारों में तेजी तथा अमेरिका में अनुकूल खुदरा आय के बीच निवेशकों ने खरीदारी की। विदेशी निवेशकों की बिकवाली में गिरावट से घरेलू बाजार में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद मिली। बीते सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 459.46 अंक की तेजी के साथ 54,785.85 पर खुला और 37.78 की मामूली गिरावट के साथ 54,288.61 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 112.15 की तेजी के साथ 16,378.30 पर खुला और 51.45 अंक गिरकर 16,214.70 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 132.18 अंक बढ़कर 54,420.79 पर खुला और 236 अंक गिरकर 54,052.61 पर बंद हुआ। निफ्टी 41.15 अंक बढ़कर 16,255.85 पर खुला और 89.55 अंक की गिरावट के साथ 16,125.15 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 326.98 अंक बढ़कर 54,379.59 पर खुला और 303.35 अंक की गिरावट के साथ 53,749.26 पर बंद हुआ। निफ्टी 98.2 अंक बढ़कर 16,223.35 पर खुला और 99.35 अंक फिसलकर 16,025.80 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख और एचडीएफसी तथा आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों के लाभ में जाने से गुरुवार को सेंसेक्स 353.1 अंक चढ़कर 54,102.36 पर खुला और 503.27 अंक की बढ़त के साथ 54,252.53 पर बंद हुआ। निफ्टी 104.1 अंक बढ़कर 16,129.90 पर खुला और 144.35 अंक की मजबूती के साथ 16,170.15 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 500.05 अंक चढ़कर 54,752.58 पर खुला और 632.13 अंक उछलकर 54,884.66 पर बंद हुआ। निफ्टी 159.2 अंक बढ़कर 16,329.35 पर खुला और 182.30 अंक चढ़कर 16,352.45 पर बंद हुआ।

मारुति सुजुकी ला रही 3 नई सीएनजी कारें

- कई पॉपुलर कारों के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल पेश किए

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी कंपनी जल्द ही भारत में स्विफ्ट सीएनजी, ब्रेजा सीएनजी और बलेनो सीएनजी जैसे कारें लाने की तैयारी में है। मारुति सुजुकी ने इस साल भारत में अपनी कई पॉपुलर कारों के नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल पेश किए और इन्हें सीएनजी ऑप्शन में भी पेश किया है। इनमें मारुति सिलेरियो सीएनजी, मारुति वैगनआर सीएनजी, मारुति डिजायर सीएनजी और मारुति अर्टिगा सीएनजी हैं।

नई सिलेरियो सीएनजी की माइलेज तो बेहद जबरदस्त है। अब हैचबैक सेगमेंट में मारुति सुजुकी अपनी दो धांसू कारों स्विफ्ट और बलेनो को सीएनजी मॉडल को लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसके माइलेज के मामले में जबरदस्त होने की पूरी संभावना है। कंपनी ने फिलहाल इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन माना जा रहा है कि इस साल के आखिर तक सीएनजी कारों की बंपर डिमांड को देखते हुए ये कारें भी लॉन्च हो सकती हैं। मारुति सुजुकी इस साल अपनी बेस्ट सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का नेक्स्ट जेनरेशन मॉडल लाने की तैयारी में है और इसका लोगों को बेसब्री से इंतजार है। जहां नई ब्रेजा में ढेर सारे कॉस्मेटिक बदलाव और लेटेस्ट फीचर्स के साथ ही अडवांस टेक्नॉलजी देखने को मिलेगी, वहीं सबसे खास बात यह सामने आ रही है इसमें सेफ्टी फीचर्स पर भी जोर दिया जाएगा और इस एसयूवी के सीएनजी वेरिएंट्स भी आएंगे। अगर ब्रेजा सीएनजी लॉन्च हुई तो मार्केट में हंगामा होना तय है, क्योंकि लोगों को नया विकल्प मिलेगा और इससे टाटा नेक्सॉन और ह्युंदै वेन्यू की बिक्री पर असर पड़ना तय है। आने वाले समय में मारुति सुजुकी की इन अपकमिंग कारों के बारे में और भी जानकारियां आएंगी और हम आप तक पहुंचाएंगे। बता दें कि भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में भले थोड़ी राहत की खबर आई है, लेकिन जब भी पैसे बचाने की बात होती है तो लोगों के जेहन में एक बार सीएनजी कारों का खयाल जरूर आता है।

ऑयल इंडिया का मुनाफा दोगुना, चौथी तिमाही में अब तक का सर्वाधिक लाभ

- पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में कंपनी का लाभ 847.56 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली । देश में तेल की कीमतें बढ़ने से सरकारी तेल कंपनी ऑयल इंडिया के मुनाफे में जोरदार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) का मुनाफा वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में लगभग दोगुना होकर 1,630.01 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। तेल की उच्च कीमत के चलते कंपनी ने किसी भी तिमाही की तुलना में जनवरी-मार्च में अब तक का सबसे अधिक लाभ कमाया है। आईएल के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2020-21 की अंतिम तिमाही में कंपनी का लाभ 847.56 करोड़ रुपए था। वहीं पूरे वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भी कंपनी का लाभ बढ़कर 3,887.31 करोड़ रुपए हो गया। किसी भी वित्त वर्ष में यह कंपनी का अब तक का सबसे उच्च लाभ है। वित्त वर्ष 2020-21 में कंपनी ने 1,741.59 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। कंपनी का कारोबार 2021-22 की चौथी तिमाही में 27 प्रतिशत बढ़कर 4,972.91 करोड़ रुपए रहा। जबकि पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 55 प्रतिशत बढ़कर 16,427.65 करोड़ रुपए पहुंच गया। ओआईएल के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए पांच रुपए प्रति शेयर के डिविडेंड की सिफारिश की है। इससे पहले इसी वित्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल ने 9.25 रुपए प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया था। इस आधार पर कुल डिविडेंड 14.25 रुपए प्रति शेयर है। गौरतलब है कि इस साल की शुरुआत में कई प्रदेशों में विधानसभा चुनावों की वजह से देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर थे। फिर मार्च से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हुई। रोजाना 80-80 पैसे की वृद्धि से पेट्रोल-डीजल के दाम में मार्च और अप्रैल के बीच लगभग 10 रुपए की बढ़ोतरी हुई। इसके बाद इसी कीमत पर पेट्रोल-डीजल चल रहा था। बढ़ती महंगाई को देखते हुए सरकार ने पिछले हफ्ते ही पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया है। इस वजह से पेट्रोल करीब 9.50 रुपए और डीजल 7.50 रुपए सस्ता हो गया था।

पहुंच से दूर हुआ आम और टमाटर, गर्मी से यूपी में बेकार हुआ 80 फीसदी आम, टमाटर भी चौपट हुआ

नई दिल्ली । महंगाई की मार झेल रहे आम आदमी की पहुंच से टमाटर और आम भी दूर होता जा रहा है। देश के कई हिस्सों में इनकी कीमत 100 रुपये के पार पहुंच गई है। समय से पहले गर्मी और लू जारी रहने से टमाटर और आम की फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है। देश में आम के सबसे बड़े उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश में 80 फीसदी पैदावार प्रभावित हुई है। सप्लाई में कमी के कारण आम और टमाटर की कीमत में भारी उछाल आया है। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में टमाटर 120 रुपए किलो बिक रहा है। कम उत्पादन के कारण इस बार आम का निर्यात भी प्रभावित होने की आशंका है। देश में आम का सबसे अधिक उत्पादन उत्तर प्रदेश में होता है, लेकिन इस बार उत्पादन दो दशक में सबसे कम रहने की आशंका है। लू के कारण 80 फीसदी फसल खराब हो गई है। अधिकांश उत्तरी और दक्षिणी राज्यों में आम की कीमत 100 रुपये किलो के पार चली गई है। कम उत्पादन के कारण आम का निर्यात भी प्रभावित होगा। वेजिटेबल ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट श्रीराम गढ़वे ने कहा कि टमाटर की कीमतों में हाल फिलहाल कमी आने की उम्मीद नहीं है। जुलाई में जाकर इसमें कुछ नरमी आ सकती है जब नई फसल आएगी।

देश में टमाटर की बढ़ती कीमत से सरकार की परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि इसका घर-घर में इस्तेमाल होता है। सरकार खाने पीने की चीजों की महंगाई को रोकने के लिए हरसंभव उपाय कर रही है। अप्रैल में महंगाई 8.38 फीसदी पर पहुंच गई जो इसका 17 महीने का उच्चतम स्तर है। खासकर खाने पीने की चीजें महंगी होने के कारण महंगाई बढ़ी है। गढ़वे ने कहा क्लाइमेट कंडीशन में बदलाव के कारण टमाटर की फसल पर कीड़ों का हमला हुआ। इस कारण सप्लाई में काफी गिरावट आई है।

उन्होंने कहा कि पहले एक एकड़ में 10 टन टमाटर की फसल होती थी, जो अब घटकर तीन टन रह गई है, लेकिन लू के कारण टमाटर के फूल मुरझा रहे हैं और इससे भी उत्पादन प्रभावित हो रहा है। देश में हर साल 2.1 से 2.3 करोड़ टन टमाटर का उत्पादन होता है। टमाटर की फसल गर्मी से बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसी तरह समय से पहले गर्मी शुरू होने और लू जारी रहने से आम की फसल पर भी असर पड़ा है। मैंगो ग्रोअर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट एस इन्सराम अली ने कहा कि लू के कारण आम की बौर पर असर पड़ा है।

आईपीएल के 15 वें सत्र में बने कई रिकार्ड

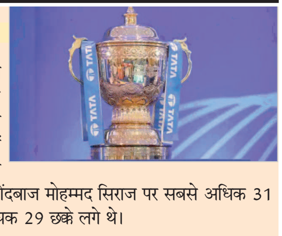

अहमदाबाद । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में कई नये रिकार्ड बने है। यह सत्र बड़े शॉट के लिए याद रखा जाएगा। इस सत्र में 1000 से अधिक छक्के लगे हैं। वहीं अब तक 8 शतक लगे हैं। इससे पहले साल 2016 में सबसे अधिक 7 शतक लगे थे। इसके अलावा 2008, 2011 और 2012 में भी 6-6 शतक लगे थे। इस सत्र की बात की जाए, तो राजस्थान से खेल रहे इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर ने सबसे अधिक 4 शतक लगाए हैं। इसी के साथ ही बटलर एक सत्र में सबसे अधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने हैं। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल ने भी इस सत्र में 2 शतक लगाये हैं जबकि लखनऊ के क्विंटन डिकॉक और आरसीबी के रजत पाटीदार ने एक-एक शतक लगाया है। इस सत्र में 2 गेंदबाजों पर 30 या उससे अधिक छक्के लगे हैं। यह पहली बार हुआ है। आरसीबी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज पर सबसे अधिक 31 छक्के लगे। वहीं आरसीबी से ही खेल रहे लेग स्पिनर वानिंदु हसारंगा पर भी 30 छक्के लगे। इससे पहले साल 2018 में ड्वेन ब्रावो पर सबसे अधिक 29 छक्के लगे थे।

आईपीएल के खिताबी मुकाबले में आज होगा गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला

अहमदाबाद ।

आईपीएल के 15 वें सत्र में रविवार को यहां होने वाले खिताबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स की टीम आमने-सामने होगी। दोनो ही टीमें फाइनल में जीत के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में गुजरात जहां पहली बार आईपीएल खेल रही है वहीं राजस्थान ने एक बार आईपीएल खिताब जीता है। गुजरात की टीम के पास कई शानदार खिलाड़ी हैं पर उसे अगर इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो राजस्थान के जोस बटलर पर अंकुश लगाना है। इस सत्र में बटलर ने अब तक सबसे ज्यादा रन बनाये हैं और वह एक मैच विजेता के तौर पर सामने आये हैं। गुजरात ने इस सत्र में कई बड़ी टीमों को हराया है परन्तु इस बार मुकाबला आसान नहीं है। राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन जीत का यह अवसर हाथ से जाने नहीं देंगे। पंद्रह साल पहले आईपीएल में जीता का करिश्मा राजस्थान दोहराना चाहेगी। दूसरी ओर गुजरात का लक्ष्य जीत हासिल कर नया इतिहास रचना रहेगा। आईपीएल की शुरुआत में किसी को भी उम्मीद नहीं थी कि गुजरात यहां तक पहुंचेगी। ऐसे में हार्दिक और मुख्य कोच आशीष नेहरा के जीत एक बड़ी उपलब्धि रहेगी। नीलामी के बाद गुजरात टीम को पहले ही दौड़ से बाहर मान लेने वाले जानकारों को भी हार्दिक करारा जवाब देना चाहेंगे। टीम के पास बल्लेबाजी में हार्दिक के अलावा राहुल तेवतिया और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज हैं। लंबे समय बाद फिट होकर फॉर्म में लौटे हार्दिक ने बतौर कप्तान अपने को साबित किया है। कप्तानी का दबाव लिए बिना ही वह बल्लेबाजी में भी बेहतर बनकर उभरे हैं। वहीं मिलर के भी लय हासिल करने से टीम का हौंसला बढ़ा है। तेवतिया ने अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि उन्होंने शारजाह में जो पांच छक्के लगाये थे वह तुक्का नहीं था। टीम के पास राशिद खान जैसा शानदार स्पिनर है। विकेटकीपर बल्लेबाज रिधिमान साहा ने भी इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन कर कई अहम पारियां खेली हैं। गुजरात की टीम को अपने घरेलू मैदान के साथ ही प्रशंसकों का भी साथ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर अनुभवी खिलाड़ियों वाली टीम राजस्थान का लक्ष्य इस खिताब को जीतकर टीम को पहली बार खिताब जिताने वाले दिवंगत शेन वार्न को समर्पित करना रहेगा। टीम के कप्तान सैमसन इसलिए जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगे बटलर जैसे बल्लेबाजों के फार्म में होने से टीम का हौंसला बढ़ा हुआ है। टीम के पास बल्लेबाजी में जहां बटलर , सैमसन , रियान पराग , देवदत्त पडिक्कल के अलावा शिमरोन हेटमायर जैसे ऑलराउंडर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो ट्रेंट बोल्ट , प्रसिद्ध कृष्णा के अलावा अनुभवी रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल जैसे स्पिनर हैं। चहल इस मैच में अधिक से अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप पर कब्जा करना चाहेंगे।

आईपीएल के समापन समारोह में कार्यक्रम पेश करेंगे रणवीर, एआर रहमान

झारखंड का छऊ नृत्य पेश करेंगे कलाकार

अहमदाबाद ।

आईपीएल के 15 वें सत्र में यहां रविवार को मोटेरा स्टेडियम में गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के खिताबी मुकाबले से पहले एक भव्य समापन समारोह होगा। इसी कारण फाइनल मैच आधा घंटा देरी से रात 8.00 बजे से खेला जाएगा। समापन समारोह करीब 45 मिनट का होगा। आईपीएल में साल 2018 के बाद पहली बार समापन समारोह हो रहा है। इस समारोह में मशहूर संगीतकार एआर रहमान और अभिनेता रणवीर सिंह भी कार्याक्रम पेश करेंगे। इसके आलावा झारखंड के छऊ नृत्य के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रभात कुमार महतो के नेतृत्व में 10 सदस्यीय छऊ नृत्य टीम 24 मई को ही गुजरात के लिए रवाना हो गई थी। महतो की टीम ने भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और चीन जैसे कई देशों में अपनी कला का प्रदर्शन किया है। बीसीसीआई इस यात्रा के लिए हर खर्च का भुगतान कर रही है। प्रभात महतो का ग्रुप छऊ नृत्य के सबसे प्रसिद्ध रूपों में से एक मानभूम छऊ पेश करेगा।

समापन समारोह में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली, सचिव जय शाह सहित सहित पदाधिकारी भी रहेंगे। इसके साथ ही भारतीय टीम के कुछ पूर्व कप्तानों के उपस्थित रहने की भी संभाना है। समारो में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में टीम इंडिया की पिछली 75 सालों की यात्रा को भी दिखाया जाएगा। फाइनल मुकाबले के दौरान पहली पारी के दूसरे टाइमाउट के समय फिल्म लाल सिंह चड्ढा का ट्रेलर भी लॉन्च होगा।

चैम्पियंस लीग फाइनल : रीयाल मैड्रिड का सामना लिवरपूल से होगा

पेरिस ।

दुनिया भर के करोड़ों फुटबॉलप्रेमियों की नजरें पेरिस पर गड़ी होंगी जहां लिवरपूल और रीयाल मैड्रिड चैम्पियंस लीग के खिताबी मुकाबले में आमने सामने होंगे। कार्लो एंसेलोट्टी यूरोपीय क्लब फुटबॉल का यह शीर्ष खिताब चार बार जीतने वाले पहले कोच बनना चाहेंगे। उन्होंने 2014 में मैड्रिड के साथ पहली बार खिताब जीता था। इससे पहले 2003 और 2007 में एसी मिलान को खिताब दिला चुके हैं। मैड्रिड के साथ अपने पहले सत्र में वह स्पेनिश खिताब जीत चुके हैं। मैड्रिड ने 2018 में जिनेदीन जिदान के कोच रहते लिवरपूल को हराकर 13वीं बार यूरोपीय कप जीता था। जर्गेन क्लोप के साथ लिवरपूल ने 2020 में खिताब जीतकर 30 साल का इंतजार खत्म किया था। पिछले सप्ताह लिवरपूल एक अंक से इंग्लिश प्रीमियर लीग खिताब से चूकी है लेकिन अब उसे भुलाकर नजरें इस फाइनल पर लगी होंगी। युएफा को लगातार तीसरे साल फाइनल की जगह बदलनी पड़ी है। इस बार कोरोना महामारी के कारण नहीं बल्कि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण सेंट पीटर्सबर्ग को फाइनल की मेजबानी गंवानी पड़ी। युद्ध चार महीने से जारी है और फाइनल मैच की गेंद पर 'पीस (शांति)' लिखा होगा जिसकी बाद में नीलामी करके रकम शरणार्थियों के लिए दी जाएगी।

शियाई खेलों के स्थगित होने को भी अवसर की तरह लेगी टीम : सविता

बेंगलुरू ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा है कि हांगझोउ में होंने वाले एशियाई खेलों के स्थगित होने को भी टीम एक अवसर की तरह लेगी क्योंकि अब उसे तैयारियों के लिए और अधिक समय मिलेगा। सविता के अनुसार जिस प्रकार टोक्यो ओलंपिक के एक साल के लिए स्थगित होने के अवसर का टीम ने लाभ उठाया था वैसा ही इस बार भी होगा। टोक्यो ओलंपिक खेल भी साल कोविड-19 महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित होने के बाद आयोजित किये गये थे। सविता ने कहा, 'हम इन खेलों के स्थगित होने से एक बार फिर इस तरह निपटेंगे कि हम इसे एशियाई खेलों के लिए ट्रेनिंग और बेहतर तैयार होने के अवसर के रूप में लेंगे।' उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के एक साल के लिए स्थगित होने से हमें सुधार करने का काफी समय मिला था और निजी तौर पर मैं कोच यानेक शॉपमैन के साथ काम करूंगी जिन्होंने गोलकीपर के रूप में मेरे अंदर आए सुधार में अहम भूमिका निभाई है।' हाल के समय की सबसे सफल गोलकीपर में शामिल सविता जुलाई में होने वाले एफआईएच विश्व कप से पहले यूरोप में एफआईएच प्रो लीग मुकाबलों में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगी। सविता ने कहा, 'टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने से सभी का हमारे प्रदर्शन पर ध्यान गया है। पहले सिर्फ पुरुष टीम से उम्मीदें होती थी लेकिन अब लोग महिला टीम से भी उम्मीद करते हैं कि अगर हम किसी टूर्नामेंट में हिस्सा लें तो शीर्ष तीन में जगह बनाएं और यह खेल के लिए अच्छा है।'

संक्षिप्त समाचार

गुजरात को अश्विन ओर चहल से सावधान रहना होगा

अहमदाबाद । आईपीएल के 15 वें सत्र में रविवार को होने वाले राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के खिताबी मुकाबले में राजस्थान के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन और युजवेंद्र चहल गुजरात टाइटंस की राह में सबसे बड़ी बाधा बन सकते हैं। गुजरात का यह पहला आईपीएल सत्र है जबकि राजस्थान रॉयल्स ने एक बार यह खिताब जीता है। ऐसे में अब वह दूसरी बार खिताब जीतना चाहेगी। उसके पास अश्विन और चहल जैसे गेंदबाज हैं जिन्हें खेलना गुजरात के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। राजस्थान के आईपीएल फाइनल खेलने में इस जोड़ी की अहम भूमिका रही है। चहल इस सीजन में भले ही पहली बार राजस्थान से खेल रहे हैं पर इसका उनके प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने अब तक खेले 16 मुकाबले में कुल 26 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं। चहल ने इस सीजन में एक बार चार और एक बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। चहल की तरह ही अश्विन ने भी राजस्थान के लिए अच्छी गेंदबाजी की है। अश्विन ने 16 मैच में 12 विकेट लिए हैं और उनका इकोनॉमी रेट 7.35 रहा है। राजस्थान के गेंदबाजों ने इस सीजन में अब तक कुल 94 विकेट लिए हैं। इसमें से 38 विकेट चहल और अश्विन की जोड़ी लिए हैं। यानी टीम के लिए आधे से कुछ अधिक विकेट इसी जोड़ी ने लिए हैं। ऐसे में अगर गुजरात टाइटंस को डेब्यू सीजन में खिताब जीतना है तो इस जोड़ी से बचकर रहना होगा।

पंड्या, मिलर राजस्थान पर पड़े हैं भारी

अहमदाबाद । आईपीएल में रविवार को होने वाले खिताबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान हार्दिक पंड्या राज्स्थान रॉयल्स की राह में बाधा बन सकते हैं। पंड्या अब तक इस सत्र में राजस्थान के खिलाफ बल्लेबाजी में बेहद सफल रहे हैं। अब तक हुए दोनो ही मुकाबलों में पंड्या की अच्छी बल्लेबाजी से गुजरात को जीत मिली है।लीग राउंड में मुंबई में खेले गए मैच में गुजरात ने पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 192 रन बनाये थे। तब पंड्या 52 गेंद पर 87 रन बनाकर नाबाद रहे थे। उन्होंने 8 चौके और 4 छक्के लगाये थे। वहीं डेविड मिलर ने 14 गेंद पर नाबाद 31 रन बनाए थे। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 9 विकेट पर 155 रन ही बना सकी थी। गुजरात की टीम पहले क्वालिफायर में भी राजस्थान पर हावी रही। इस बार राजस्थान ने पहले खेले हुए 6 विकेट पर 188 रन बनाये। इसके जवाब में गुजरात ने 10वें ओवर में 85 रन पर 3 विकेट गंवा दिए थे पर इसके बाद पंड्या और मिलर ने नाबाद शतकीय साझेदारी करके टीम को वापसी कराते हुए जीत दिलायी। अंतिम ओवर में टीम को जीत के लिए 16 रन बनाने थे। तब मिलर ने प्रसिद्ध कृष्णा की पहली 3 गेंद पर 3 छक्के जड़कर टीम को फाइनल में पहुंचाया। इस मैच में हार्दिक पंड्या 27 गेंद पर 40 रन बनाकर नाबाद रहे थे। वहीं डेविड मिलर ने 38 गेंद पर 179 के स्ट्राइक रेट से 68 रन बनाए थे।

जीत के बाद बटलर ने वार्न को याद किया

अहमदाबाद ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र में राजस्थान रॉयल्स के खिलाड़ी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) पर सात विकेट से जीत के साथ ही भावुक हो गये। अब रविवार को खिताबी मुकाबले में टीम गुजरात टाइटंस का मुकाबला करेगी। जीत के बाद राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर ने दिवंगत पूर्व कप्तान शेन वॉर्न को याद करते हुए कहा कि वार्न आज गर्व का अनुभव कर रहे होंगे। गौरतलब है वार्न की कप्तानी में ही राजस्थान ने साल 200 में हुए पहले आईपीएल खिताब को जीता था। इसके 14 साल बाद अब टीम के पास एक और खिताब जीतने का अवसर है। वॉर्न का इसी साल मार्च में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

मैच जीतने से उत्साहित बटलर ने कहा, 'मैं इस सत्र में बेहद कम उम्मीदों के सहारे आया था। सत्र सीजन के बीच में ही खराब फॉर्म के कारण मुझ पर थोड़ा दबाव जरूर आया था पर उस समय कुमारा संगाकारा की मिली सलाह से मुझे सहायता मिली। उन्होंने मुझे पिच पर ज्यादा से ज्यादा समय बिताने के लिए कहा. उनकी यह सलाह काम आई और मुझे फॉर्म वापस मिल गया। फाइनल में पहुंचना काफी सुखद है। बटलर ने वॉर्न के याद करते हुए कहा, 'वॉर्न राजस्थान रॉयल्स के लिए काफी महत्व रखते हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में टीम को पहला सत्र जिताया था। हम उन्हें बहुत याद करेंगे, पर मुझे भरोसा है कि वह आज हमें बहुत गर्व के साथ देख रहे होंगे।'बटलर के अलावा राजस्थान टीम के कप्तान संजू सैमसन ने भी वॉर्न को याद किया। मैच जीतने के बाद संजू ने कहा, इस मैदान पर पहले गेंदबाजी के दौरान तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी। ऐसे में टॉस लाभदायक साबित हुआ। बटलर जैसे खिलाड़ी का टीम में होना हमारे लिए लाभ की बात है। अब हमें खिताब के लिए केवल एक जीत चाहिये।

कर्ण भी आरसीबी को जीत नहीं दिला पाये

अहमदाबाद । आईपीएल के 15 वें सत्र में एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को झटका लगा है। उसके पहली बार खिताब जीतने का सपना फिर टूट गया है। आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी की टीम अब तक तीन बार फाइनल में पहुंची है पर हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा है। इस बार टीम के पास लकी चार्म के तौर पर कर्ण शर्मा भी था पर तब भी बात नहीं बनी। कर्ण अब तक जिस भी टीम में रहे हैं वह खिताब जीती है। इसी को देखते हुए आरसीबी को भी इस बार खिताब जीतने की उम्मीद थी। कर्ण ने पिछले 6 साल में 4 ट्रॉफी जीती है। वह अभी तक आईपीएल में बैंगलोर से पहले जिस टीम का भी हिस्सा थे, वह चैंपियन बनी हैं। आईपीएल में कर्ण शर्मा की पहली टीम सनराइजर्स हैदराबाद थी। साल 2016 में जब हैदराबाद चैंपियन बनी तो वह उस टीम का हिस्सा थे। साल 2017 में कर्ण मुंबई इंडियंस में शामिल हुए और टीम विजेता बन गई। साल 2018 से 2021 तक वह चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के साथ थे और इस दौरान सीएसके ने दो बार खिताब जीता।

सैमसन ने तीनों भूमिकाएं अच्छी तरह से निभाईं : संगकारा

अहमदाबाद । राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने कप्तान संजू सैमसन की प्रशांसा करते हुए कहा है कि उन्होंने तीनों भूमिकाएं विकेटकीपर , कप्तान और बल्लेबाजी को अच्छी तरह से निभाया है। संगकारा ने कहा, ''संजू का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है। पिछले सत्र में वह काफी कठिन परीक्षा से गुजरा था पर उससे वह अपनी भूमिका में परिपक्व हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''वह काफी मृदुभाषी और शर्मीला है पर बल्ले से उसके प्रदर्शन का जवाब नहीं है। उसने कप्तानी की कठिन भूमिका में खरे उतरने के लिये काफी जुनून और जीत का जज्बा दिखाया है। विकेटकीपिंग, कप्तानी के साथ टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज होना आसान नहीं है पर इस सत्र में उसने सभी सही से किया है। '' संगकारा ने कहा, ''उसे अपनी भूमिका के साथ ही रणनीति की अच्छी समझ है। उसे अपनी टीम पर भरोसा है और टीम उसे एक नेतृत्वकर्ता के रूप में देखती है।'' वहीं बटलर की बल्लेबाजी को लेकर संगकारा ने कहा, '' इस सत्र में उसने जो किया, उसके बारे में कुछ कहना संभव नहीं है। अच्छी शुरुआत की, बीच में कुछ नुकसान के बाद उसे एक बार फिर लय हासिल की है।'' उन्होंने कहा, ''उसने स्वीकार कर लिया कि वह भी इंसान है और हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। उसके पास सारे स्ट्रोक्स हैं और वह खेल को अच्छे से समझता है। मुझे याद नहीं पड़ता कि आईपीएल के इतिहास में किसी और ने इतनी शानदार बल्लेबाजी की हो।'' संगकारा ने कहा कि नौ खिलाड़ियों के कोर ग्रुप ने उनका काम आसान कर दिया। उन्होंने कहा, '' टीम में अनुभवी टीम के होने का यही फायदा है। हमारे पास नौ अनुभवी और कुशल खिलाड़ी हैं। इसलिए मुझे कोच के रूप में ज्यादा कुछ करना नहीं होता।''

आरेंज कैप बटलर को मिलना तय

अहमदाबाद ।

राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल फाइनल में पहुंचते ही उसके बल्लेबाज जोस बटलर को सबसे ज्यादा रनों के लिए मिलने वाली औरेंज कैप तय हो गयी है। बटलर ने आरसीबी के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर मैच में नाबाद 106 रन की शतकीय पारी खेली थी। इस प्रकार उसके कुल रनों की संख्या बढ़कर 824 हो गयी हैं। उन्होंने आइपीएल के इस सीजन में चार शतक लगाए हैं। इस तरह से उन्होंने आइपीएल 2022 की आरेंज कैप अपने नाम कर ली है। अभी भी उनके पास अपने रनों की संख्या को बढ़ाने और डेविव वार्नर से आगे निकलने का अवसर होगा। एक सत्र में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में साल 2016 में विराट कोहली 973 रनों के साथ पहले नंबर पर जबकि इसी साल 848 रनों के साथ डेविड वार्नर तीसरे नंबर पर थे। वहीं बटलर इस 15 वें सत्र में 824 रन बनाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं ऐसे में खिताबी मुकाबले में उनके पास उनके पास डेविड़ वार्नर को पीछे छोड़ने का अवसर रहेगा।

वहीं सबसे ज्यादा विकेट के मामले में पर्पल कैप को लेकर दो स्पिन गेंदबाजों युजवेंद्र चहल 26 और वानिंदू हसरंगा के बीच अच्छा मुकाबला है। आरसीबी के खिलाफ मैच में चहल नहीं ले पाये जबकि हसरंगा ने एक विकेट लिया। इस प्रकार उनके विकेटों की संख्या भी बढ़कर चहल के बराबर ही 26 हो गयी। चहल के नाम भी 26 विकेट है पर कम इकोनामी के कारण पर्पल कैप पर अभी हसरंगा का कब्जा बना हुआ है। गुजरात टाइटंस के चहल के पास खिताबी मुकाबले में हसरंगा को पीछे छोड़ने का अवसर है। आरसीबी के बाहर होने से हसरंगा की संभावनाएं समाप्त हो गयी हैं पर चहल के पास फाइनल में विकेट लेकर नंबर एक पर आने का अच्छा अवसर है।

यूजीन में यारोसलाव मेहुसिक ने महिलाओं की ऊंच कूद में जीत दर्ज की।

जब गुजरात का मुख्यमंत्री था, तब भारत सरकार में कोई मेरी बात नहीं सुनता था : पीएम मोदी

गांधीनगर। गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर में सहकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जब मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तब भारत सरकार को राज्य की समस्याओं को लेकर कई चिट्ठियां लिखता था, लेकिन मेरी कोई सुनता नहीं था। उन्होंने कहा कि उस वक्त सहकारिता क्षेत्र पर भी आयकर लगता था और इसे हटाने के लिए केन्द्र सरकार को कई बार पत्र लिखा। लेकिन केन्द्र सरकार ने सहकारिता क्षेत्र से आयकर खत्म नहीं किया। केन्द्र में सत्ता पाने के बाद हमने सहकारिता क्षेत्र को आयकर मुक्त किया। पीएम मोदी ने कहा कि सहकार गांवों के आत्मनिर्भर का माध्यम है और वही आत्मनिर्भर भारत की ऊर्जा है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए गांवों का आत्मनिर्भर होना जरूरी है। उसके लिए गांधी और सरदार ने जो दिशा बताई थी, उसी पर हम आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात के 6 गांवों को चुना गया है, जहां संपूर्ण रूप से सहकारी व्यवस्था लागू की जाएगी। आज आत्मनिर्भर खेती के लिए देश के पहले नेनो यूरिया प्लांट का लोकार्पण करते हुए विशेष आनंद की अनुभूति करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि एक बोरी यूरिया की क्षमता अब एक बोतल में आ गई है। नेनो यूरिया की आधा लीटर की बोतल किसान की एक बोरी यूरिया की जरूरत को पूरा करेगी। पीएम मोदी ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर से ही कलोल स्थित इफ्को प्लांट का डिजिटल लोचिंग करते हुए कहा कि इस मौके पर देशभर से जुड़े लाखों किसानों का मैं आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि कलोल स्थित प्लांट की उत्पादन क्षमता डेढ़ लाख बोतल है और आगामी समय में देश में ऐसे 8 प्लांट की स्थापना की जाएगी। ताकि विदेश से यूरिया की निर्भरता कम होगी और देश का पैसा बचेगा। मुझे आशा है कि यह शोध केवल नेनो यूरिया तक सीमित नहीं रहेगी। पीएम मोदी ने कहा कि खाद के उपयोग में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है और उत्पादन में तीसरे क्रम पर हैं। 8 साल पहले तक बड़े पैमाने पर खाद खेतों में जाने के बजाए कालाबाजारी का शिकार होती थी। अपनी जरूरतों के लिए किसानों को लाठियां खानी पड़ती थीं। देश में यूरिया की जो बड़ी फैक्ट्री थी वह भी नई तकनीकि के अभाव में बंद हो गई थीं। केन्द्र की सत्ता में आने के बाद हमने यूरिया की 10

नीम कोटिंग बीडा उठाया, जिसकी वजह से किसानों को पर्याप्त यूरिया मिलने लगी। साथ ही पांच राज्यों में बंद पड़े खाद के कारखाने भी शुरू किए। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत की चौथी हिस्से की खाद आयात करता है, परंतु पोटाश और फोस्फेट 100 प्रतिशत आयात करनी पड़ती है। कोरोना और लॉकडाउन के कारण अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में खाद की कीमतें बढ़ गई हैं और बाद में युद्ध भी छिड़ गया है। इस कारण वैश्विक मार्केट में कीमतें बढ़ी हैं। लेकिन हमारी सरकार ने निश्चय किया है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बावजूद किसानों पर इसका असर नहीं होने देंगे। कितनी भी बड़ी चुनौती आ जाए देश में खाद का संकट पैदा नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि भारत विदेशों से 50 किलो की बोरी 3500 रुपए में आयात कर किसानों को 300 रुपए में मुहैया कराता है। अर्थात यूरिया पर सरकार 3200 रुपए का खर्च स्वयं वहन करती है। इसी प्रकार डीएपी की 50 किलो की बोरी पर हमारी सरकार रु. 2500 का खर्च वहन करती है। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी जैसी परि-स्थति भविष्य में ना हो इसके लिए हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया जा रहा है। खाद्य तेल की समस्या से निपटने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। बायो फ्युअल और ग्रीन हाइड्रोजन पर भी प्रयास किया जा रहा है। इसी प्रकार प्राकृतिक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहन देने का अभियान चलाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं गुजरात के किसानों का विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं जो प्रगतिशील और साहसी हैं। प्राकृतिक कृषि के प्रति अब गुजरात के छोटे किसान भी रुख कर रहे हैं। लाखों की संख्या में गुजरात के किसान अब प्राकृतिक कृषि को अपना रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक देश है, जिसमें गुजरात को बड़ा हिस्सा है और इसकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि यह व्यवसाय ज्यादातर माताएं और बहनें संभालती हैं। भारत में एक साल में 8 लाख करोड़ रुपए का दूध उत्पादन होता है। मैं किसी की आलोचना नहीं बल्कि याद कराता हूं कि एक समय था जब गुजरात में डेयरी बनाने पर प्रतिबंद था। अब चारों दिशा में डेयरी का विकास हो रहा है। सहकारी संस्थाओं ने गुजरात में महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बड़े नतीजे दिए हैं। लिज्जत पापड़ दुनियाभर में एक बड़ी ब्रांड बन गया है। हमारी सरकार ने लिज्जत पापड की माता को पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि अमूल के साथ लिज्जत भी एक ब्रांड बन गया है। हम सबका प्रयास, सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास मंत्र का अनुकरण करते हैं। इसी उद्देश्य के साथ केन्द्र में सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया गया है और देश में सहकारिता आधारित आर्थिक मॉडल को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सहकारी समितियों को बाजार में स्पर्धात्मक बनाना ही हमारा प्रयास है। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की सबसे बड़ी ताकत विश्वास और सहकार है। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृतकाल में हम छोटे व्यापारियों को मजबूत बना रहे हैं। छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को भी समान अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

सरकार के प्रयासों के साथ जनता के प्रयास जुड़ने से सेवा करने की शक्ति बढ़ जाती है : मोदी

राजकोट । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार के प्रयासों के साथ जनता के प्रयास जुड़ने से सेवा करने की शक्ति बढ़ जाती है। के. पी. डी. मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल इसका एक उत्तम उदाहरण है। वर्तमान सरकार ने गरीबों की सेवा कर उनका सशक्तिकरण करने की विशिष्ट परिपाटी स्थापित की है। पीएम मोदी ने शनिवार को राजकोट जिले के आटकोट में 200 बेड की सुविधा वाले के. डी. परवाडिया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल का लोकार्पण करते हुए उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर कहा, च्च्सरकार का ऐसे स्वास्थ्यप्रद वातावरण का निर्माण करने का लक्ष्य है, जिसमें अस्पताल खाली रहें। इस सरकार ने गरीब की सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के कार्य को प्राथमिकता दी है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' मंत्र पर चल कर सरकार ने देश के विकास को नई गति दी है ज्ज उन्होंने कहा कि भारत में समग्र अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की कुल जनसंख्या से अधिक नागरिक आयुष्मान योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार पा रहे हैं, जो भारत की सुदृढ़ स्वास्थ्य व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रमाण है। केन्द्र सरकार के सुशासन के 8 वर्ष पूर्ण होने के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात की धरती ने उन्हें लोककल्याण के कार्य करने की नीति-रीति सिखाई है। ये महात्मा गांधी तथा सरदार वल्लभभाई पटेल की पवित्र भूमि के ही संस्कार हैं, जिसके फलस्वरूप उन्होंने पिछले 8 वर्षों में भूल से भी ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे आपको या देश के किसी भी नागरिक को नीचा देखना पड़े। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वर्ष 2001 में समग्र गुजरात मे मेडिकल शिक्षा क्षेत्र में कुल 1100 सीटें थीं, जो वर्ष 2022 में बढ़ कर 8000 हुई हैं। मोदी ने सुनिश्चित किया कि राज्य भर में सरकारी व निजी सहित कुल 30 मेडिकल कॉलेज कार्यरत् हैं और राज्य सरकार का राज्य के हर ज़िले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का संकल्प है। उन्होंने गौरव के साथ कहा कि 'स्टैच्यू ऑफ़ यूनिटी' ने समग्र विश्व में सबसे ऊँची प्रतिमा के रूप में स्थान प्राप्त किया है, जो समग्र राज्य के लिए गौरव की बात है। गुजरात ने इतना बड़ा काम इतनी तेज़ी से पूर्ण कर अपनी शक्ति स्थापित की है।

उन्होंने गुजरात की औद्योगिक प्रगति की झाँकी कराते हुए कहा कि समग्र गुजरात में विकसित मध्यम-सूक्ष्म-लघु उद्योग ही गुजरात की सच्ची शक्ति एवं विशिष्ट पहचान हैं। वडोदरा से वापी तक के पूर्ववर्ती औद्योगिक विकास के स्थान पर आज समग्र राज्य में औद्योगिक विकास फैला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भी अंतरढाँचागत सुविधाओं के जरिये उद्योगों के विकास के लिए पर्याप्त रूप से प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि मोरबी का सेनेटरी उद्योग, जामनगर का ब्रास पार्ट उद्योग तथा राजकोट का ऑइल इंजन उद्योग विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त कर चुका है।

रेलयात्रियों के लिए राहत की खबर, अहमदाबाद-मुंबई के बीच बंद 3 ट्रेनें फिर चलेंगी

अहमदाबाद। केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने अहमदाबाद-मुंबई के बीच 3 ट्रेनें शुरू करने की घोषणा की है। मुंबई, अहमदाबाद, वलसाड, वडोदरा और सूरत-भुसावल के बीच ट्रेनें शुरू की जाएंगी। हांलाकि यह कोई नई ट्रेनें नहीं है बल्कि पहले भी चलती थी। लेकिन कोरोनाकाल और बिजली संकट के चलते इन ट्रेनों को बंद कर दिया गया था। इन ट्रेनों के बंद होने से रोजाना मुसाफरी करने वाले यात्रियों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन अब रेल मंत्रालय ने इन ट्रेनों को पुनः शुरू करने का ऐलान किया है। केन्द्रीय रेल राज्यमंत्री दर्शना जरदोश ने ट्वीट कर यह जानकारी देते हुए कहा कि रोजोना यात्रा करनेवाले लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने ट्रेन संख्या 59049/50 वलसाड से वडोदरा, ट्रेन संख्या 59013/14 सूरत-भुसावल और ट्रेन नंबर 59349/50 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद को शुरू किया है। गौरतलब है कि देश में कोरोना ने आर्थिक रूप से कमर तोड़ दी थी। कई उद्योग-व्यवसायों के बंद होने से अनेक लोग बेरोजगार हो गए। हांलाकि कोरोना संक्रमण घटने से स्थिति पूर्ववत हो रही है। ऐसे में कोरोनाकाल के दौरान बंद की गई ट्रेनों को दोबारा शुरू करने से खासकर गुजरात और महाराष्ट्र के रेल यात्रियों को बड़ी राहत मिली है।

द्वारकाधीश की शरण में पहुंचे अमित शाह, पत्नी के साथ पूजा-अर्चना की

देवभूमि द्वारका। केन्द्रीय गृह एवं सहकारी मंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर हैं। शनिवार को अमित शाह ने अपनी धर्मपत्नी के साथ भगवान द्वारकाधीश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। आज सुबह जामनगर एयरपोर्ट पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह सीधे भगवान द्वारकाधीश मंदिर के रवाना हो गए। द्वारकाधीश मंदिर में अमित शाह ने सपत्नीक भगवान की पूजा-अर्चना की। भगवान द्वारकाधीश के दर्शन के बाद अमित शाह ने नेशनल कोस्टल पुलिस एकेडमी (एनएसीपी) का दौरा किया और तालीमार्थियों के साथ चर्चा की। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी आज गुजरात में हैं। राजकोट के आटकोट में मल्टीस्पेशियालिटी अस्पताल का लोकार्पण करने के बाद पीएम मोदी के साथ अमित शाह आज ही गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकार सम्मेलन में शामिल होंगे। पीएम मोदी शनिवार को दिल्ली के रवाना हो जाएंगे। जबकि अमित शाह रविवार को भी गुजरात में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। रविवार को अमित शाह अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होनेवाले आईपीएल का फाइनल मैच देखेंगे।

गुजरात सहकारिता आंदोलन का सफल मॉडल माना जाता है : केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

गांधीनगर । केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित सहकारिता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात सहकारिता आंदोलन का सफल मॉडल माना जाता है। भारत सरकार के पहले सहकारिता मंत्रालय के गठन का कदम आनेवाले सौ साल तक सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और प्राण फूंकने वाला है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात की राजधानी गांधीनगर में 'सहकार से समृद्धि' सम्मेलन को संबोधित और इफ्को की कलोल इकाई में विश्व के पहले 'नैनो यूरिया (तरल) संयंत्र' का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह,केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि देश में लंबे समय से सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोगों की एक मांग थी कि केन्द्र सरकार में सहकारिता के लिए एक अलग मंत्रालय बनाया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने एक क्रांतिकारी क़दम उठाते हुए पहले सहकारिता मंत्रालय की रचना की। ये क़दम आने वाले सौ साल तक सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और प्राण फूंकने वाला है। मंत्रालय बनने के साथ ही इस साल के बजट में कई क़दम उठाए गए। देश की सहकारी चीनी मिलों की कई सालों से एक समस्या थी कि ज़्यादा मुनाफ़ा किसानों को अंतरित करने पर कर लगता था। इस बजट में मोदी जी ने उस व्यवस्था को समाप्त कर किसानों को 8,000 करोड़ रूपए से ज़्यादा का फ़ायदा पहुँचाया है। इसके अलावा सहकारिता की सभी इकाईयों पर लगने वाले सरचार्ज को 12 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया। क्रेडिट गारंटी फ़ंड ट्रस्ट के तहत सहकारी बैंकों को मान्यता नहीं थी, लेकिन भारत सरकार ने ये निर्णय लिया कि क्रेडिट गारंटी फ़ंड की जितनी भी योजनाएं हैं उन्हें सहकारी बैंकों के माध्यम से भी नीचे तक पहुंचाया जा सकेगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत सरकार और नाबार्ड मिलकर देशभर के 65,000 से ज़्यादा पैक्स (PACS) के कम्प्यूटराईज़ेशन का काम करने वाले हैं। नई सहकार नीति बनाने के लिए भी भारत सरकार ने सुझाव मांगे हैं और सरकार पैक्स को बहुद्देशीय बनाने के लिए भी काम कर रही है। सहकारिता की सभी इकाईयों का एक बहुत बड़ा डेटा बैंक भी भारत सरकार बनाने जा रही है। ऑर्गेनिक कृषि उत्पादों की मार्केटिंग के लिए वर्तमान में कोई व्यवस्था नहीं है, लेकिन भारत सरकार ने अमूल के तत्वाधान में एक पहल की है। उन्होने कहा कि सरकार मल्टी स्टेट कॉपरेटिव सोसाइटी एक्ट में भी सुधार करने जा रही है। नरेन्द्र मोदी जी द्वारा सहकारिता मंत्रालय बनाने के बाद इस नई शुरूआत से जो बदलाव आएगा उससे हमारी भर्ती, ख़रीद और ऑडिट सिस्टम आदि में भी पारदर्शिता आएगी। इससे देश की जनता में सहकारिता आंदोलन की विश्वसनीयता बढ़ेगी और सहकारिता आंदोलन एक नए प्राण लेकर मोदी जी के 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के स्वप्न को साकार करने में योगदान देने के लिए तैयार होगा। अमित शाह ने कहा कि आज शुरू हो रहे नैनो यूरिया तरल फॉर्म के बहुत सारे फायदे हैं। इससे हमारी भूमि, पानी और हवा प्रदूषित नहीं होगी, किसानों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा और इसे साथ ले जाना बहुत आसान होगा जिससे किसी प्रकार के ट्रांसपोर्टेशन की जरूरत भी नहीं होगी और बहुत सारा श्रम भी बचेगा। उन्होने कहा कि गुजरात का सहकारिता आंदोलन देशभर में सहकारिता के लिए सफल मॉडल माना जाता है और गुजरात ने सहकारिता की आत्मा को बचाए रखने का काम किया है। देश में बहुत कम राज्य ऐसे हैं जहां पैक्स से लेकर ऐपैक्स तक सहकारिता अच्छे तरीक़े, सिद्धांतो के अनुरूप और पारदर्शिता के साथ चलती हो, उनमें गुजरात शामिल है।

समाजवादी पार्टी के गुजरात प्रदेश के कई पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

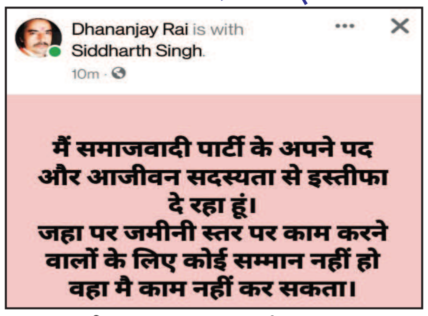

सूरत भूमि , सूरत। समाजवादी पार्टी के गुजरात प्रदेश के कई पदाधिकारियों इस्तीफा दे दिया है जिसके चलते गुजरात प्रदेश समाजवादी पार्टी में उथल-पुथल मच गई है7 क्योंकि कई सालों से पार्टी की सेवा कर रहे युवाओं ने अब इस पार्टी का दामन छोड़ दिया है7 गुजरात यूथ प्रदेश अध्यक्ष धनंजय राय एवं प्रदेश सचिव नवनीत पांडे ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए पार्टी के आजीवन सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया। अब यह देखना है कि अब हजारों कार्यकर्ताओं के साथ किस पार्टी का दामन थामते हैं क्योंकि सूरत में वर्षों से समाजवादी पार्टी को लगातार सूरत महानगर पालिका या विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करते थे और जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ बहुत ही मजबूत बना चुके इन युवा नेताओं में अचानक समाजवादी पार्टी को गुड बाय कर दिया।

जाती तोडो - समाज जोडो अभियान सालो से चालाया जा रहा है:RPI

सूरत भूमि, सूरत। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) गुजरात राज्य, केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकरिता राज्य मंत्री भारत सरकार मा श्री रामदासजी आठवले साहेब इन्के द्वारा संपूर्ण भारतदेश में जाती तोडो - समाज जोडो अभियान सालो से चालाया जा रहा है, ऑर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर जी के खुले पत्र पर आधारित सर्व व्यापी सर्व धर्म समभाव सभी जाती धर्म को साथ लेकर चलने वली रजनेतिक पार्टी के तोर पर RPI आठवले उभर कर आ रही है.

RPI (आठवले) गुजरात राज्य मे प्रदेश प्रमुख मा श्री अशोककुमार भट्टी जी के माध्यम से विविध मोर्चाओ की स्थापना की गयी है. जिसमे मराठा समाज,ओडिसा समाज,ऑर उत्तर भारतीय समाज के युवा नेताओं को पदो पर नियुक्त किया गया है. नवनियुक्त पदाधिकारी

श्री मानोजभाई रावत(ओडिसा समाज गु.प्र. अध्यक्ष) श्री प्रमोद भाई बडगे (मराठा समाज गु. प्र. अध्यक्ष) श्री विवेकभाई सिंघ (उ.भा. समाज गु. प्र. अध्यक्ष) तथा RPI (आठवले युवा) के राज्य उपाध्यक्ष के पद पर श्री सागरभाई जाधव इंकी नियुक्ती प्रदेश प्रमुख श्री अशोक कुमार भट्टी तथा गुजरात राज्य प्रभारी श्री जतिनभाई भूट्टा जी के आदेश से की गयी है.

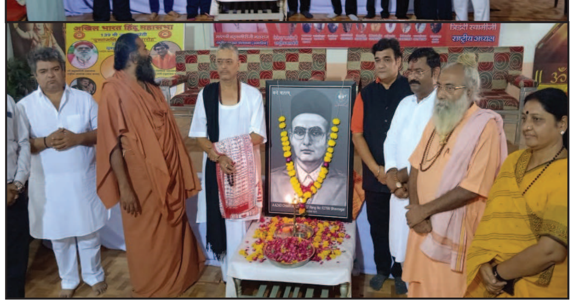

सूरत भूमि, सूरत। अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा पाल स्थित अटल आश्रम में वीर सावरकर के 139 में जन्म जयंती के अवसर पर उन्हें शत शत नमन किया गया और इस अवसर पर अखिल भारत हिंदू महासभा द्वारा गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र भी जाहिर किया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)